RNI NO-UPHIN/2023/84340

सबसे तेज प्रयागराज

सब पर नजर, सटीक खबर

नगर संस्करण | sabsetejprj2023@gmail.com | सोमवार , 08 जून 2026 | वर्ष: 04, अंक: 81 पृष्ठ: 08, मूल्य: 2 रू. | प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

नीट पेपर लीक: बड़े परिवर्तन की तैयारी में एनटीए

नीट-पीजी 2026 पेपर लीक और सीबीएसई की मार्किंग गड़बड़ियों के बाद सरकार परीक्षा व्यवस्था में बड़े बदलाव की तैयारी कर रही

नई दिल्ली/एजेंसी

नीट-पीजी 2026 पेपर लीक और सीबीएसई की मार्किंग गड़बड़ियों के बाद सरकार परीक्षा व्यवस्था में बड़े बदलाव की तैयारी कर रही है। एनटीए ऐसा नया सिस्टम बनाने पर काम कर रही है, जिसमें सवाल तैयार करने वाले एक्पर्ट्स को भी पता नहीं होगा कि वह किस एग्जाम के क्वेश्चन पेपर बना रहे हैं।

नई योजना के तहत अलग-अलग विषयों के एक्सपर्ट्स केवल सवाल तैयार करेंगे। इन सवालों को एक बड़े डिजिटल बैंक में रखा जाएगा। अधिकारियों के मुताबिक इसमें करीब 10 हजार सवाल हो सकते हैं। बाद में टेक्नीक की मदद से इन सवालों से फाइनल एग्जाम पेपर तैयार होगा। वहीं, आइडिया एक्सचेंज कार्यक्रम में पहुंचे केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू ने कहा- पेपर लीक मामले में शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने नैतिक जिम्मेदारी ली है। मंत्री जिम्मेदारी से नहीं भाग रहे, बल्कि व्यवस्था सुधारने के लिए लगातार कदम उठा रहे हैं। एनटीए से जुड़े अधिकारी ने कहा कि हम चाहते हैं कि पूरे प्रश्नपत्र की जानकारी बहुत कम लोगों तक पहुंचे। सिस्टम को लोगों पर नहीं, प्रोसेस पर भरोसा करना चाहिए। पेपर लीक मामले में ट्रांसलेशन करने वालों की गिरफ्तारी के बाद एनटीए ट्रांसलेशन प्रोसेस में भी बदलाव करना चाहती है। एजेंसी पहले ही सुप्रीम कोर्ट को बता चुकी है कि वह करीब 85% ट्रांसलेशन का काम एआई से कराने की योजना बना रही है। इसके बाद एक्सपर्ट्स सिर्फ यह जांचेंगे कि ट्रांसलेशन सही हुआ या नहीं। अधिकारियों का कहना है कि कोशिश यह भी रहेगी कि ट्रांसलेशन करने वालों को यह जानकारी न हो कि वे किस परीक्षा के सवाल देख रहे हैं।

वहीं, एनटीए इस समय 21 जून को होने वाले नीट-पीजी री-टेस्ट की तैयारी भी कर रही है।

शिक्षा मंत्री सवालों से नहीं भाग रहे, गड़बड़ियां ठीक कर रहे: रिजिजू

नए सब्जेट एक्सपट्र्स को जोड़ा गया है। साथ ही पेपर छपने के बाद उसके ट्रांसपोर्ट और स्टोरेज सिस्टम को और सुरक्षित बनाने पर भी काम चल रहा है। रिजिजू ने कहा कि लाखों छात्रों को नीट दोबारा देने की नौबत आई और सीबीएसई की मार्किंग गड़बड़ियों से भी परेशानी हुई। ऐसे मामलों में सरकार की जिम्मेदारी समस्या को ठीक करना है, न कि उससे बचना। उन्होंने भरोसा जताया कि उठाए गए कदम भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने में मदद करेंगे। उन्होंने कहा कि किसी मंत्री या उसके स्टाफ पर सीधे भ्रष्टाचार, रिश्वत या गलत काम का आरोप हो तो इस्तीफे की मांग जायज होती है, लेकिन नीट पेपर लीक मामले में शिक्षा मंत्री पर ऐसा कोई सीधा आरोप नहीं है।

नीट 2026 री-एग्जाम से पहले सोशल मीडिया और मैसेजिंग ऐप्स पर पेपर लीक होने और सवाल पहले से मिलने के कई दावे किए जा रहे हैं।

नीट री-पेपर का पेपर लीक नहीं हुआ: एनटीए

एजेंसी का कहना है कि कुछ ठग गिरोह छात्रों और उनके परिवारों को गुमराह कर पैसे कमाने की कोशिश कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे कथित पेपर और लीक से जुड़े मैसेज पूरी तरह फर्जी हैं। एनटीए ने कहा कि परीक्षा की सुरक्षा के लिए सभी जरूरी इंतजाम किए गए हैं और परीक्षा निष्पक्ष तरीके से कराई जाएगी। एजेंसी ने छात्रों से अफवाहों पर भरोसा न करने और अपनी पढ़ाई पर ध्यान देने की अपील की है। साथ ही, ऐसे फर्जी मैसेज और पोस्ट फैलाने वाले अकाउंट्स व चैनलों की पहचान की जा रही है। एनटीए उनकी जानकारी सोशल मीडिया कंपनियों और साइबर क्राइम एजेंसियों को दे रही है, ताकि उन्हें हटाया जा सके। एजेंसी ने ऐसे मामलों में कानूनी कार्रवाई के लिए शिकायत भी दर्ज कराई है।

18 साल का सार्थक सीबीआई से तेज निकला: राहुल गांधी

नई दिल्ली

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने रविवार को सीबीएसई स्टूडेंट सार्थक सिद्धांत से मुलाकात का 8.15 मिनट का वीडियो अपने अकाउंट पर शेयर किया। दोनों की मुलाकात 2 जून को दिल्ली में हुई थी। 18 साल के सार्थक सिद्धांत ने उइरए की 12वीं क्लास के लिए ऑन-स्क्रीन मार्किंग (ओएसएम) प्रणाली और डरट का काम करने वाली कंपनी से जुड़ी टेंडर प्रोसेस में गड़बड़ी का खुलासा किया है। राहुल ने कहा, देश का 18 साल का युवा सीबीआई से तेज निकला, नौजवानों की ये जीत सही मायने में सरकार की हार है। झारखंड के रांची के रहने वाले सार्थक ने भी इस साल 12वीं के एग्जाम दिए थे। नंबर कम आने पर उन्होंने री-इवैल्यूएशन के लिए अपनी स्कैन की गई आंसरशीट मंगाई थीं। गलत नंबर कटने और दूसरी परेशानियों को सार्थक ने सोशल मीडिया पर शेयर था। सार्थक उइरए में सुधार के लिए संसद की स्थायी समिति के सामने 500 पेज की प्रेजेंटेशन भी दे चुके हैं।

'सिस्टम को ट्रांसपेरेंट बनाने के लिए काम करे'

राहुल: यह अच्छा है या बुरा, आप इस पर क्या सोचते हैं।

सार्थक: मैंने वही किया जो नागरिक को किसी भी चीज को लेकर करना चाहिए। ये हमारा देश है हर किसी में इतना सिविक सेंस जरूर होना चाहिए कि चीजों को पढ़कर सिस्टम को ट्रांसपेरेंट बनाने के लिए काम करे। चाहें कितनी भी गड़बड़ी हो, लेकिन सुधार के लिए काम करना चाहिए।

राहुल: जो हुआ, उसके बारे में आप क्या सोचते हैं?

सार्थक: निसर्ग अधिकारी एथिकल हैकर है। उसने मुझे ग्रुप चैट पर पोर्टल की गड़बड़ी शेयर की। मैंने देखा तो पाया कि उसमें सबकुछ ऑनमार्क द्वारा किया गया था। ऑनमार्क डरट इवैल्यूएशन के लिए एडटेक सॉल्यूशन कंपनी है। मैंने इसके बारे में और पता लगाया। निसर्ग ने मुझे दूसरी यूनिवर्सिटीज की भी डिटेल भेजी, जो ऑनमार्क का यूज करती थीं। उनमें भी गड़बड़ी दिखी। इसके बाद मुझे लगा कि सीबीएसई क्यों ऐसी कंपनी का यूज कर रही है, जिसके साथ इतनी गड़बड़ियां जुड़ी हैं।

मेट्रो से बुलेट ट्रेन तक... बंगाल के लिए बनाया रेल प्रोजेक्ट का मास्टर प्लान

कोलकाता/एजेंसी

पश्चिम बंगाल को 61 रेल प्रोजेक्ट्स के लिए मंजूरी मिल गई है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इन प्रोजेक्ट्स को लेकर शुक्रवार, 5 जून को राज्य सचिवालय में मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के साथ अहम बैठक की। सूत्रों के मुताबिक, इस बैठक में कई रेलवे प्रोजेक्ट्स पर चर्चा हुई। इसके बाद वैष्णव और अधिकारी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की, जिसमें रेल मंत्री ने बंगाल में 538 नए फ्लाईओवर और अंडरपास बनाने का एलान किया। इन प्रोजेक्ट्स के साथ बंगाल में रेलवे नेटवर्क की तस्वीर बदलने की उम्मीद है।

मेट्रो से लेकर बुलेट ट्रेन तक का मास्टर प्लान

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि आने वाले समय में पश्चिम बंगाल में 102 'अमृत भारत' स्टेशन भी विकसित किए जाएंगे। इसके अलावा, कोलकाता मेट्रो को पांच साल के अंदर 60 नए रेक (ट्रेन के डिब्बे) मिलेंगे। सिलीगुड़ी और दिल्ली के बीच बुलेट ट्रेन सर्विस भी शुरू की जाएगी। बंगाल के लिए रेल प्रोजेक्ट्स के बारे में जानकारी देते हुए रेल मंत्री ने कहा, 'यह बुलेट ट्रेन नई दिल्ली से शुरू होगी और लखनऊ, वाराणसी और पटना होते हुए नॉर्थ बंगाल के सिलीगुड़ी पहुंचेगी।

ट्रेन में यात्रियों की सुरक्षा, अपराध नियंत्रण एवं महिला सम्मान पर जीआरपी का प्रस्तुतिकरण

लखनऊ में मुख्यमंत्री के समक्ष डीजी रेलवे ने रखी कार्ययोजना, डीजीपी यूपी रहे मौजूद

हनुमान प्रसाद शुक्ल

लखनऊ। ट्रेन यात्रियों की सुरक्षा, अपराध नियंत्रण तथा महिला सम्मान को और अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) द्वारा मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश के समक्ष एक विस्तृत प्रस्तुतिकरण किया गया। कार्यक्रम का आयोजन लखनऊ में हुआ, जिसमें डीजीपी उत्तर प्रदेश राजीव कृष्ण की उपस्थिति में डीजी रेलवे प्रकाश डी ने रेलवे सुरक्षा व्यवस्था से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर जानकारी दी।

मुख्यमंत्री ने प्रस्तुतिकरण के दौरान कहा कि उत्तर प्रदेश में रेलवे सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक आधुनिक, तकनीक-सक्षम तथा परिणामोन्मुख बनाया जाए। यात्रियों की सुरक्षा, महिला सम्मान, अपराध नियंत्रण और त्वरित पुलिस सहायता को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए। महिला सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल बताते हुए निर्देश दिए कि रेलवे नेटवर्क में महिलाओं को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराया जाए। रेलवे परिसरों, प्लेटफॉर्मों और ट्रेनों में सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने के लिए आधुनिक तकनीक का अधिकतम उपयोग किया जाए।

रेलवे परिसरों और ट्रेनों पर पत्थरबाजी की घटनाओं को पूरी तरह समाप्त करने के लिए विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए। त्योहारों, बड़े आयोजनों, भर्ती परीक्षाओं और विशेष अवसरों पर रेलवे स्टेशनों पर यात्रियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। प्रवेश एवं निकास नियंत्रण, कतार प्रबंधन, सार्वजनिक घोषणाओं, 24 घंटे सीसीटीवी निगरानी तथा रेलवे प्रशासन के साथ समन्वय के माध्यम से भीड़ नियंत्रण को प्रभावी बनाया जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मानव तस्करी और गुमशुदा बच्चों की बरामदगी से जुड़े मामलों की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री जी ने इन अभियानों को और प्रभावी बनाने के निर्देश दिए तथा अभियोजन व्यवस्था की समीक्षा करते हुए उन्होंने कहा कि अपराधियों को त्वरित एवं प्रभावी दंड सुनिश्चित किया जाए। वर्ष 2027 में प्रस्तावित हरिद्वार अर्धकुम्भ की तैयारियों की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री जी ने अभी से व्यापक सुरक्षा एवं भीड़ प्रबंधन योजना तैयार करने तथा संबंधित जनपदों एवं एजेंसियों के बीच समयबद्ध समन्वय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

इस अवसर पर पुलिस महानिरीक्षक रेलवे लखनऊ रामकृष्ण भारद्वाज, पुलिस महानिरीक्षक रेलवे प्रयागराज एन. कोलांची व अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

महेवाघाट पुलिस द्वारा दुष्कर्म के वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी । 25 माई को थाना महेवाघाट पर वादी द्वारा सूचना दी गयी कि मेरी पुत्री को आरोपी अरुण कुमार शादी का झांसा देकर, बहला फुसलाकर भगा ले गया है एवं शिकायत करने पर आरोपी के परिजनों द्वारा धमकी दी गयी । प्राप्त तहरीर के आधार पर मुकदमा पंजीकृत किया गया । थाना महेवाघाट पुलिस टीम द्वारा मुकदमा उपरोक्त से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त अरुण कुमार उर्फ राजा मिश्रा पुत्र विजय कुमार निवासी पौरकाशीरामपुर थाना महेवाघाट जनपद कौशाम्बी को गिरफ्तार किया गया ।

जानलेवा हमला करने वाले अभियुक्त को अवैध तमंचा कारतूस के साथ किया गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी । देर रात्रि में थाना कोखराज पर प्रार्थिनी साजिया बेगम पत्नी इशराईल निवासी ग्राम शहजादपुर, थाना कोखराज जनपद कौशाम्बी द्वारा सूचना दी गयी कि मेरे घर के सामने एक गड्डे को लेकर आरोपियों से कहासुनी हुई और आरोपीगण द्वारा गाली-गलौज करते हुये कट्टा दिखाकर धमकी दी तथा जान से मारने की नीयत से धारदार हथियार से हमला कर दिया, जिससे मैं गम्भीर रूप से घायल हो गयी ।

घटना के गम्भीरता के दृष्टिगत पुलिस अधीक्षक कौशाम्बी सत्नारायण द्वारा अभियुक्तों की शीघ्र गिरफ्तारी हेतु निर्देशित किया गया ।

थाना कोखराज पुलिस टीम द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुये मुखबिर की सूचना पर मुकदमा उपरोक्त से सम्बन्धित अभियुक्त उवैद पुत्र कयूम खान निवासी ग्राम शहजादपुर थाना कोखराज जनपद कौशाम्बी को शहजादपुर दरगाह के पास से गिरफ्तार किया गया तथा उसके कब्जे से एक अदद तमंचा व एक अदद जिंदा कारतूस 315 बोर बरामद किया गया । बरामदगी के आधार पर पंजीकृत अभियोग में धारा-3/25 आर्म्स एक्ट की बढोत्तरी की गयी ।

सुल्तानपुर घोष पुलिस द्वारा वारंटी अभियुक्त को किया गया गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज

फतेहपुर। पुलिस अधीक्षक फतेहपुर अभिमन्यु मांगलिक के निर्देशन में वांछित/वारंटियों की गिरफ्तारी व अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में रविवार को थाना सुल्तानपुर घोष पुलिस द्वारा विस्फोटक अधिनियम से संबंधित वारंटी जलील अहमद पुत्र खलील अहमद नि0 ग्राम अल्लीपुर बाजार थाना सुल्तानपुर घोष जनपद फतेहुपर को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय भेजा गया।

एसपी ने आरक्षी नागरिक पुलिस पदों पर सीधी लिखित परीक्षा के दृष्टिगत परीक्षा केन्द्रों का किया निरीक्षण

सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी । पुलिस अधीक्षक कौशाम्बी सत्यनारायण द्वारा उत्तर प्रदेश आरक्षी नागरिक पुलिस एवं समकक्ष पदों पर सीधी भर्ती-2025 की लिखित परीक्षा को सकुशल, निष्पक्ष एवं पारदर्शी ढंग से सम्पन्न कराए जाने के दृष्टिगत जनपद के विभिन्न परीक्षा केन्द्रों का निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान परीक्षा केन्द्रों पर अभ्यर्थियों की प्रवेश व्यवस्था, सुरक्षा व्यवस्था, सीसीटीवी कैमरों की कार्यशीलता, परीक्षा कक्षों की व्यवस्थाओं तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। पुलिस अधीक्षक द्वारा केन्द्र व्यवस्थापकों एवं ड्यूटी पर तैनात पुलिस अधिकारियों/कर्मचारियों को परीक्षा की शुचिता एवं गोपनीयता बनाए रखने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

पुलिस अधीक्षक द्वारा निर्देशित किया कि परीक्षा के दौरान सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ रखी जाए तथा किसी भी प्रकार की अवांछनीय गतिविधि, नकल अथवा व्यवधान की स्थिति में तत्काल प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित की जाए।

साथ ही अभ्यर्थियों को परीक्षा केन्द्रों पर सुगम एवं व्यवस्थित वातावरण उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं बनाए रखने के निर्देश दिए गए।

जनपद पुलिस द्वारा परीक्षा को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं पारदर्शी ढंग से सम्पन्न कराने हेतु समुचित सुरक्षा प्रबंध किए गए हैं तथा समस्त परीक्षा केन्द्रों पर सतर्क दृष्टि रखी जा रही है।

महिलाओं को साइबर अपराध से बचाव के बारे में दी जानकारी

सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी। पुलिस अधीक्षक सत्यनारायण के कुशल निर्देशन में विभिन्न थानों द्वारा अपने-अपने क्षेत्रों में महिला सशक्तिकरण, साइबर जागरूकता एवं सुरक्षा संबंधी कार्यक्रम आयोजित कर महिलाओं व बालिकाओं को जागरूक किया गया।

इस दौरान बालिकाओं/महिलाओं को गुड टच-बैड टच, आत्मरक्षा, महिला अधिकारों, साक्षरता, नए आपराधिक कानूनों एवं साइबर अपराध से बचाव के संबंध में जानकारी दी गई। साथ ही शासन द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं एवं निःशुल्क विधिक सहायता के बारे में भी अवगत कराया गया।

अभियान के अंतर्गत निम्नलिखित हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी प्रदान की गई– 112 पुलिस आपातकालीन सेवा, 1076 मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, 1090 वूमेन पावर हेल्पलाइन, 102 स्वास्थ्य सेवा, 1098 चाइल्ड हेल्पलाइन, 1930 साइबर अपराध हेल्पलाइन एवं 181 महिला हेल्पलाइन।

साथ ही महिला हेल्पडेस्क, एंटीरोमियो टीम, मिशन शक्ति केंद्र एवं थाना सीयूजी नंबरों की जानकारी देकर आमजन को जागरूक किया गया।

कप्तान ने सराय अकिल क्षेत्र में पैदल गश्त कर सुरक्षा व्यवस्था का लिया जायजा

सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी । पुलिस अधीक्षक सत्यनारायण द्वारा थाना सराय अकिल क्षेत्र में पैदल गश्त कर कानून-व्यवस्था एवं सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया गया।

पैदल गश्त के दौरान पुलिस अधीक्षक द्वारा बाजार, भीड़भाड़ वाले स्थानों, प्रमुख चौराहों एवं संवेदनशील क्षेत्रों का भ्रमण किया गया। इस दौरान स्थानीय नागरिकों, व्यापारियों एवं आमजन से संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं की जानकारी प्राप्त की गई तथा उन्हें सुरक्षा का भरोसा दिलाया गया।

पुलिस अधीक्षक द्वारा उपस्थित पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को क्षेत्र में सतत भ्रमणशील रहकर संदिग्ध व्यक्तियों एवं वाहनों की सघन चेकिंग करने, अपराध एवं अपराधियों पर प्रभावी नियंत्रण बनाए रखने तथा आमजन के साथ सौहार्दपूर्ण व्यवहार करने के निर्देश दिए गए।

जनपद में शांति, सुरक्षा एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखना पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है। किसी भी प्रकार की अवांछनीय गतिविधि अथवा संदिग्ध व्यक्ति की सूचना तत्काल पुलिस को उपलब्ध कराने हेतु आमजन से भी अपील की गई।

पैदल गश्त के दौरान क्षेत्राधिकारी चायल अभिषेक सिंह , थाना प्रभारी सराय अकिल सहित अन्य पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

एएसपी नगर ने कोतवाली देहात पुलिस का अर्दली रूम/ आगामी त्यौहार और काँवड़ के संबंध में की गोष्ठी

सबसे तेज प्रयागराज

बुलंदशहर । अपर पुलिस अधीक्षक नगर अभिषेक प्रताप अजेय द्वारा थाना कोतवाली देहात पर थाना कोतवाली देहात का अर्दली रूम/ गोष्ठी की गयी ।

अर्दली रूम के दौरान प्रभारी निरीक्षक एवं समस्त अधिकारी/कर्मचारियों की उपस्थिति में कानून-व्यवस्था, अपराध नियंत्रण, विवेचनाओं के गुणवत्तापूर्ण निस्तारण, महिला सम्बन्धी अपराधों में त्वरित कार्यवाही, लंबित प्रार्थना पत्रों के शीघ्र निस्तारण तथा जनसुनवाई को प्रभावी बनाए जाने के सम्बन्ध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

अपर पुलिस अधीक्षक नगर द्वारा आगामी त्यौहार /आरक्षी भर्ती परीक्षा के दृष्टिगत सतर्क दृष्टि बनाए रखते हुए क्षेत्र में नियमित गश्त, मिश्रित आबादी वाले क्षेत्रों में विशेष निगरानी एवं शान्ति व्यवस्था बनाए रखने हेतु निर्देशित किया गया। साथ ही भूमि विवाद सम्बन्धी प्रकरणों का प्राथमिकता के आधार पर गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करने तथा चौकी स्तर पर प्रभावी जनसुनवाई कर आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित किए जाने हेतु निर्देश दिए गए।

साथ ही आगामी काँवड़ यात्रा के दृष्टिगत अपर पुलिस अधीक्षक नगर द्वारा संबंधित पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया गया कि प्रमुख मार्गों, चौराहों एवं संवेदनशील स्थलों पर सतत निगरानी रखी जाए।

इसके अतिरिक्त अभिलेखों का निरीक्षण कर उनके सुव्यवस्थित रख-रखाव एवं शासन द्वारा संचालित अभियानों को प्राथमिकता के आधार पर प्रभावी रूप से संचालित किए जाने हेतु निर्देशित किया गया।

पुलिस अधीक्षक द्वारा थाना सराय अकिल पर अर्दली रूम का आयोजन कर की गई कार्यों की समीक्षा

सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी । एसपी सत्यनारायण द्वारा थाना सराय अकिल में अर्दली रूम का आयोजन किया गया। अर्दली रूम के दौरान थाना सराय अकिल के समस्त विवेचकों की लंबित विवेचनाओं, प्रचलित अभियोगों एवं कानून-व्यवस्था संबंधी कार्यों की गहन समीक्षा की गई।

समीक्षा के दौरान पुलिस अधीक्षक द्वारा लंबित विवेचनाओं के शीघ्र एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हेतु संबंधित विवेचकों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। साथ ही महिला संबंधी अपराधों, साइबर अपराध, वांछित/वारंटी अभियुक्तों की गिरफ्तारी तथा जनसुनवाई के प्रकरणों को प्राथमिकता के आधार पर निस्तारित करने के निर्देश दिए गए।

इसके अतिरिक्त अभिलेखों के सुव्यवस्थित रख-रखाव, बीट पुलिसिंग को सुदृढ़ करने, प्रभावी गश्त व्यवस्था बनाए रखने तथा आमजन के साथ बेहतर संवाद स्थापित करने पर विशेष बल दिया गया।

पुलिस अधीक्षक ने उपस्थित समस्त पुलिसकर्मियों को कर्तव्यनिष्ठा, अनुशासन एवं संवेदनशीलता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने हेतु प्रेरित किया।

इस दौरान क्षेत्राधिकारी चायल अभिषेक सिंह भी मौजूद रहे।

महिलाओं को पंपलेट बताकर किया गया जगरूक

सबसे तेज प्रयागराज

फतेहपुर। पुलिस अधीक्षक फतेहपुर अभिमन्यु मांगलिक के निर्देशन में उत्तर प्रदेश शासन द्वारा संचालित अभियान मिशन शक्ति अभियान के फेज-5.0 के द्वितीय चरण के तहत महिला सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन सुनिश्चित करने व महिलाओं की सुरक्षा के प्रभावी क्रियान्वयन के उद्देश्य से जनपद के सभी थानों द्वारा महिला सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन के उद्देश्य से जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया तथा ग्राम चौपाल लगाकर समस्याओं के त्वरित एवं विधिपूर्ण निस्तारण हेतु ग्रामीणों से संवाद कर जागरुक किया गया ।

रविवार को अभियान के अंतर्गत सभी थानों की मिशन शक्ति / एंटीरोमियो टीमों द्वारा बाजारों, सार्वजनिक स्थलों पर जाकर बालिकाओं, महिलाओं एवं आमजन को मिशन शक्ति 5.0 अभियान के द्वितीय चरण के तहत जानकारी दी गई, साथ ही महिलाओं के प्रति अपराधों की रोकथाम व उनके अधिकारों की रक्षा एवं आत्मरक्षा के उपायों के संबंध में विस्तार से जानकारी प्रदान की गई ।

कार्यक्रमों के दौरान प्रतिभागियों को महिला हेल्पलाइन 1090, आपातकालीन सेवा 112, चिकित्सा सहायता 108, बाल सहायता नंबर 1098, साइबर हेल्पलाइन 1930 तथा cyber-crime.gov.in पोर्टल की जानकारी देकर इन सेवाओं के उपयोग के लिए प्रेरित किया गया ।

बुलंदशहर पुलिस ने 140 गुम मोबाइल बरामद कर स्वामियों को सौंपे

सबसे तेज प्रयागराज

बुलंदशहर। जनपद पुलिस ने माह मई के दौरान गुम एवं खोए हुए मोबाइल फोन बरामद करने के अभियान में उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। पुलिस द्वारा कुल 140 मोबाइल फोन बरामद किए गए, जिनकी अनुमानित कीमत लगभग 35 लाख रुपये बताई गई है। बरामद मोबाइल फोन उनके वास्तविक स्वामियों को विधिवत सत्यापन के उपरांत सुपुर्द कर दिए गए।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दिनेश कुमार सिंह के कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार मोबाइल फोन गुम होने संबंधी प्राप्त शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई करते हुए साइबर सेल एवं संबंधित थाना पुलिस ने तकनीकी सहायता के माध्यम से विभिन्न स्थानों से मोबाइल फोन खोज निकाले। मोबाइल वापस मिलने पर लोगों ने पुलिस की कार्यप्रणाली की सराहना करते हुए आभार व्यक्त किया।

पुलिस प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि मोबाइल फोन गुम होने या चोरी होने की स्थिति में तत्काल संबंधित थाने अथवा साइबर पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराएं, जिससे समय रहते आवश्यक कार्रवाई की जा सके। पुलिस की इस पहल से लोगों में सुरक्षा एवं विश्वास की भावना और मजबूत हुई है।

बकरी चराने गया किशोर नहाते समय गंगा में डूबा,पुलिस और गोताखोर ने कई घंटे बाद निकाला शव

सबसे तेज प्रयागराज

कौशाम्बी। संदीपन घाट थाना क्षेत्र के उजहिनी घाट में बकरी चराने गया किशोर गंगा में नहाते समय डूब गया,गंगा में नहाते समय किशोर के डूबने की सूचना जैसे ही परिजनों को मिली,स्थानीय गोताखोरों को बुलाकर उसकी तलाश शुरू कर दी गई,घटना से परिजनों में कोहराम मचा हुआ है। कई घंटे तक गोताखोरों ने नदी में किशोर की खोज की जिस पर किशोर का शव नदी से बाहर निकाला गया है।

घटना संदीपन घाट थाना क्षेत्र के उजिहनी घाट में रविवार की सुबह एक किशोर निलेश उम्र लगभग 15 वर्ष पुत्र ज्ञानचन्द्र निवासी गौसपुर बकरी चराने के लिए गंगा के कछार में गया हुआ था,तभी वह गंगा में नहाने लगा,नहाने के दौरान अचानक वह गहरे पानी में चला गया और डूब गया,वहां पर रहे अन्य लोगो ने किशोर को नदी में डूबते देखा तो शोर मचाया,शोर सुनकर ग्रामीण दौड़ पड़े और पुलिस को भी सूचना दी।सूचना पर पहुंची पुलिस स्थानीय गोताखोरों की मदद से किशोर की तलाश में जुटी हुई है।वही सूचना मिलते ही परिजन भी रोते-बिलखते घटनास्थल पर पहुंच गए। कई घंटे की मेहनत के बाद जब किशोर का शव नदी से बाहर आया तो परिवार में कोहराम मच गया है।

25 हजार का इनामी हत्यारोपी गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। मुठ्ठीगंज पुलिस द्वारा सर्विलांस सेल नगर टीम के सहयोग से हत्यारोपी को गिरफ्तार किया गया।

गिरफ्तार अभियुक्त का नाम कमल शर्मा उर्फ कमल पंडा है। यह 3/3 कूंचा राय थाना अतरसुईया जनपद प्रयागराज का निवासी है। पुलिस ने इसको अरैल घाट नये पुल के नीचे थाना क्षेत्र नैनी कमिश्नरेट प्रयागराज से गिरफ्तार किया है।

श्रीमती अंजु शर्मा पत्नी ज्ञान बाबू निवासी 304 मालवीय नगर मुठ्ठीगंज द्वारा पुलिस को सूचना दी गयी कि उनके पुत्र सक्षम शर्मा उर्फ सक्षम पंडा को सुनियोजित तरीके से साथियों के साथ मिलकर गोली मारकर घायल कर दिया गया। सूचना पर पुलिस द्वारा तत्काल मौके पर पहुँच कर घायल युवक को उपचार हेतु हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों द्वारा उन्हें मृत घोषित कर दिया गया।

प्रकरण में थाना मुठ्ठीगंज में मुकदमा दर्ज कर किया गया। अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमों का गठन किया गया। पुलिस के अनुसार, पूछताछ में अभियुक्त ने बताया कि सक्षम शर्मा उर्फ सक्षम पंडा ने दारागंज स्थित गंगाघाट पर रखी हमारी गुमटी को जला दिया था, जिसमें हमारे पूर्वजो द्वारा संरक्षित जजमानों के बही खाता जल गये थे। उसी गुमटी से हम लोगो की भी आजीविका चलती थी। गुमटी जलने से हम सभी सक्षम शर्मा उर्फ सक्षम पंडा से गुस्से में थे और मृतक सक्षम शर्मा से बदला लेना चाहते थे। हम सबने मिलकर सुनियोजित तरीके से सक्षम शर्मा की हत्या की योजना बनाई। जिस पर मेरे भाई विमल शर्मा उर्फ विमल पंडा व आकाश अरोड़ा उर्फ भोला पंजाबी ने गोली मारकर सक्षम पण्डा की हत्या की थी।

देशवासी चुनौतियों का मुकाबला संघ के साथ मिलकर करें– स्वांत रंजन

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय प्रचारक प्रमुख स्वान्त रंजन जी ने सभी देशवासियों से देश के सामने खडी चुनौतियों का मिलकर मुकाबला करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि भारत को विकासशील से विकसित राष्ट्र बनाने के लिए चार बड़ी चुनौतियों से मिल कर निपटना होगा।

वे शनिवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ काशी प्रांत द्वारा आयोजित प्रयागराज के गौहनिया स्थित वात्सल्य परिसर में आयोजित 15 दिवसीय संघ शिक्षा वर्ग सामान्य एवं प्रांत घोष वर्ग के समापन समारोह को मुख्य अतिथि के रूप मेंसंबोधित कर रहे थे।

उन्होंने अपने दीक्षान्त उद्बोधन मे आगे कहा कि आतंकवाद, अर्बन नक्सलवाद, मातांतरण तथा बाजारवाद समेत चार चुनौतियां देश के सामने मुह बाये खड़ी है। भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए संघ के साथ पूरे समाज को मिलकर इन चुनौतियों का सामना करना होगा।

उन्होंने कहा कि 100 वर्ष से संघ हिंदू समाज को सशक्त बनाने के लिए, उसकी शक्ति खड़ी करने के लिए प्रयास कर रहा है। इसके लिए उसे उपेक्षा और उपहास का भी सामना करना पड़ा। इन स्थितियों के बाद अब समाज में संघ की स्वीकार्यता बढी है लेकिन इस स्थिति से हम अभी भी संतुष्ट नहीं है। हमें अभी आगे और परिश्रम करना है। उन्होंने बड़े साफ शब्दों में कहा कि भारत प्राचीन राष्ट्र है और हिंदू राष्ट्र है।हिंदू समाज ने इसकी रक्षा के लिए पसीना भी बहाया है और खून भी।आर्यों के बाहर से यहां आकर बसने की थ्योरी पूरी तरह मनगढ़ंत है।यह एक सुनियोजित साजिश है। इससे देशवासियों को सावधान रहने की जरूरत है।

संघ पंच परिवर्तन के माध्यम से सामाजिक परिवर्तन के लिए निरंतर प्रयत्नशील है। सभी देशवासी संघ के साथ जुड़कर कार्य करें जिससे भारत

को विकासशील से विकसित राष्ट्र बनाया जा सके। उन्होंने आग्रह किया कि जो जहां है वहीं से इस महत्वपूर्ण कार्य के लिए अपना सहयोग दें।

अखिल भारतीय प्रचारक प्रमुख ने कहा कि कार्यकताओं का निर्माण करने के लिए देशभर में और 98 संघ शिक्षावर्ग चल रहे हैं। इसका उद्देश्य है वर्ग में तैयार होकर के कार्यकर्ता अपने-अपने क्षेत्र में संघ कार्य को आगे बढ़ाएं। उन्होंने संघ शिक्षा वर्ग के विषयों की भी विस्तार से जानकारी दी और कहा कि शारीरिक बौद्धिक कार्यक्रमों के द्वारा स्वयंसेवकों को एक प्रामाणिक कार्यकर्ता के रूप में निर्माण किया जाता है।

पिछले 100 वर्षों से संघ राष्ट्र जागरण के महत्वपूर्ण कार्य में लगा है। संघ के समर्पित स्वयंसेवक इस कार्य को निरंतर आगे बढ़ा रहे हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि राष्ट्र जागरण के इस महत्वपूर्ण कार्य में पूरे समाज को आगे बढ़कर अपना सहयोग करना होगा तभी लक्ष्य की पूर्ति हो सकेगी।

देश को परम वैभव पर ले जाना है तो सभी देशवासियों को मिलकर राष्ट्र निर्माण के इस अनुष्ठान में तन मन धन से लगना होगा।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे यूनाइटेड ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन, प्रयागराज के अध्यक्ष डॉ. जगदीश गुलाटी ने कहा कि संघ पूरे समाज को जोड़ने के लिए काम कर रहा है। सभी देशवासियों को संघ से जुडना चाहिए। सामाजिक समरसता के लिए संघ द्वारा किए जा रहे प्रयास सराहनीय है।प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके स्वयंसेवकों से आग्रह किया कि आवश्यकता पडने पर देश सेवा के लिए हमेशा तैयार रहें।

कार्यक्रम का प्रारंभ संघ प्रार्थना के पश्चात शिक्षार्थियों द्वारा ध्वज की मान वंदना प्रदक्षिणा से हुई। इसके पश्चात शिक्षार्थियों ने दण्ड, पद विन्यास, यष्टि, नियुद्ध, दण्ड व्यायाम योग, व्यायाम योग, आसन का आकर्षक प्रदर्शन किया।

शताब्दी वर्ष के प्रतीक 100 पर व्यूह रचना का हुआ प्रदर्शन

घोष के प्रशिक्षणार्थियों ने भारतीय रागों पर आधारित रचनाओं का वादन करते हुए समारोह मे आकर्षक प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के क्रम में घोष की रचनाओं में शताब्दी वर्ष का प्रतीक 100 पर आधारित व्यूह रचना में स्वस्तिक, शंख में किरण, वेणु में स्वर पाठ एवं व्यायाम योग के समय कावेरी, ध्वजारोपणम, ध्वजावतरण का प्रमुख रूप से प्रदर्शन कर उपस्थित जनसमूह को भारतीय राग से परिचित कराया।

मंच पर प्रांत संघ चालक अंगराजजी ?सर्वाधिकारी गौतम सिंहकी उपस्थिति उल्लेखनीय वर्गकार्यवाह डॉक्टर संजय जी ने अतिथि परिचय एवं वृत्त निवेदन किया। सर्वव्यवस्था प्रमुख आशीष जी ने आभार प्रकट किया।

समारोह में प्रांत प्रचारक रमेश जी, वर्ग पालक सुनील जी, प्रचारक प्रमुख राम चन्द्र जी, मुख्य शिक्षक कौशल जी के अतिरिक्त प्रांत कार्यवाह मुरलीपाल, सहकार्यवाह डा राकेश जी, प्रांत प्रचार प्रमुख डॉक्टर मुरार जी त्रिपाठी, बौद्धिक प्रमुख डा कुलदीप जी, सत्यविजय जी, घनश्याम जी, डा नीरज अग्रवाल, डा कीर्तिका अग्रवाल, विधायकगण पीयूष रंजन, हर्षवर्धन बाजपेई, राजमणि कोल, दीपक पटेल, प्रदेश के पूर्व मंत्री सिद्धार्थ नाथ सिंह समेत बडी संख्या मे गणमान्य नागरिक एवं माताये बहने उपस्थित रही।

मिशन शक्ति के तहत महिलाओं को किया जागरूक

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। मिशन शक्ति विशेष अभियान के अंतर्गत नगर जोन के थानों की महिला बीट अधिकारियों, एण्टी रोमियों टीम, महिला सुरक्षा हेतु विशेष दल द्वारा अपने-अपने थाना क्षेत्र अन्तर्गत गांवों, कस्बों व अन्य सार्वजनिक स्थानों पर भ्रमण, चौपाल कर महिलाओं, बालिकाओं की समस्याओं से अवगत होकर उनकी सुरक्षा आदि के संबंध में वार्ता की गयी तथा उन्हें पम्पलेट वितरित किये गये। विभिन्न लाभप्रद योजनाओं, हेल्पलाइन नम्बर वूमेन पावर लाइन 1090, महिला हेल्प लाइन 181, एम्बुलेंस सेवा 108, मुख्यमन्त्री हेल्पलाइन 1076, (पुलिस आपातकालीन सेवा 112, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, स्वास्थ्य सेवा 102, (साइबर हेल्प लाइन नं-1930 आदि नम्बरों के सम्बंध में जानकारी प्रदान की गयी। साथ ही नगर जोन के समस्त थानों की एण्टी रोमियों टीमों द्वारा अपने-अपने थाना क्षेत्र अन्तर्गत बस अड्डा, सार्वजनिक स्थानों, प्रमुख चौराहों, कस्बों, प्रमुख बाजारों, मन्दिर, शिवालयों आदि के आसपास गश्त करते हुए सघन चेकिंग की जा रही है। इस अवसर पर घूमने वाले शोहदों की चेकिंग की गयी तथा उन्हें सख्त हिदायत दी गयी।

जिले के 19 होटलों में चला अग्नि सुरक्षा जांच अभियान

सीएफओ के नेतृत्व में उपकरणों की जांच, होटल कर्मियों को दिया गया प्रशिक्षण

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। अग्नि सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से रविवार को जिले के 19 होटलों में सघन जांच अभियान चलाया गया। अभियान का नेतृत्व मुख्य अग्निशमन अधिकारी (सीएफओ) चंद्र मोहन शर्मा ने किया।

जांच के दौरान होटलों में स्थापित अग्निशमन उपकरणों की कार्यक्षमता, उनकी उपलब्धता और रखरखाव की स्थिति का निरीक्षण किया गया। अधिकारियों ने होटल प्रबंधन से अग्नि सुरक्षा मानकों के पालन और आपातकालीन तैयारियों के संबंध में जानकारी भी ली।

अभियान के तहत होटल कर्मियों को अग्निशमन यंत्रों के सही उपयोग, आग लगने की स्थिति में बचाव कार्य करने तथा धुएं में फंसे लोगों को सुरक्षित बाहर निकालने के तरीकों का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। सीएफओ चंद्र मोहन शर्मा ने बताया कि जनसुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए ऐसे निरीक्षण और जागरूकता अभियान लगातार चलाए जाएंगे, ताकि किसी भी आपात स्थिति में जान-माल की हानि को रोका जा सके।

अतिक्रमण हटाने पहुंचा बुलडोजर खुद नाले में फंसा

प्रशासन ने नाले के ऊपर किए गए अतिक्रमण को ढहाया

हमीरपुर। उत्तर प्रदेश के हमीरपुर सदर कोतवाली क्षेत्र स्थित बीएसएनएल ऑफिस के पीछे रविवार को प्रशासन द्वारा अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया जा रहा है। इस दौरान एक अप्रत्याशित घटना में अतिक्रमण हटाने पहुंचा बुलडोजर ही नाले में फंस गया। बताया जा रहा है कि मौके पर नाले का लेंटर अचानक टूट गया, जिससे बुलडोजर का एक टायर गहरे गड्ढे में धंस गया।

बीएसएनएल ऑफिस के पीछे की बस्ती में निकलने वाले बड़े नाले को लोगों ने पाट दिया और शौचालय, जीना आदि बनाकर अवैध कब्जे कर लिए है। जिससे नाले की सफाई कार्य में दिक्कत होती है। नगर पालिका प्रशासन ने अतिक्रमण हटाने के लिए कई बार नोटिस जारी की। लेकिन लोगों पर इसका कोई असर नहीं दिया। जिस पर रविवार को नगर पालिका प्रशासन ने अतिक्रमण हटाने का कार्य किया। मौके पर नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी (ईओ) हेमराज सिंह ने रविवार को बताया कि तहसीलदार की मौजूदगी में नगर पालिका कर्मी बुलडोजर लेकर पहुंचे। तभी बुलडोजर नाले के किनारे धंस गया। जिससे अभियान में व्यवधान जरूर आया, लेकिन प्रशासन ने हार नहीं मानी है। नगर पालिका के दर्जनों कर्मी मौके पर मौजूद रहकर हाथों में हथौड़े लेकर अतिक्रमण को तोड़ने का काम किया। सुरक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए मौके पर भारी पुलिस बल तैनात किया गया है।

मुख्यमंत्री के जन्मदिन पर संगम में दीपदान, वृक्षारोपण और सुंदरकांड पाठ

विश्व हिंदू महासंघ ने मनाया योगी आदित्यनाथ का जन्मदिवस, स्वास्थ्य व दीघार्यु की कामना

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। विश्व हिंदू महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष के निर्देशन में रविवार को संगम नगरी प्रयागराज में मुख्यमंत्री Yogi Adityanath का जन्मदिवस श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया।

संगठन के जिलाध्यक्ष बृजेंद्र त्रिपाठी (मुन्ना भैया) की अध्यक्षता में बांध स्थित हनुमान मंदिर में सुंदरकांड पाठ, भजन-कीर्तन, संगम में दीपदान तथा वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किए गए।

कार्यक्रम के दौरान पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री के उत्तम स्वास्थ्य, दीघार्यु और प्रदेश की निरंतर प्रगति की कामना की। जिलाध्यक्ष बृजेंद्र त्रिपाठी ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है। उनके जन्मदिवस के अवसर पर संगठन की ओर से वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया गया।

इस अवसर पर श्याम सूरत पांडेय, नीलम गिरि, अनुराधा गिरि, अधिवक्ता आकाश मौर्य, अधिवक्ता मदन पांडेय, आशुतोष त्रिपाठी, सुधांशु त्रिपाठी, एस.के. पांडेय, धीरज शर्मा, डीडी जोशी, जितेंद्र तिवारी, विनोद कुमार मौर्य, अधिवक्ता अनुज गुप्ता, अधिवक्ता सत्य प्रकाश गुप्ता, सचिन निषाद, रूपाली अवस्थी, मंजू, समी पांडेय, सौम्या ओझा, विभा मिश्रा, आकांक्षा त्रिपाठी, पूनम दुबे, आकांक्षा सिंह सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

लोकगीतों की प्रस्तुति में बच्चों की कला निखरी -- लोकगायन कार्यशाला में निदेशक ने की प्रस्तुति की सराहना

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। राजकीय बाल गृह शिशु, खुल्दाबाद, प्रयागराज में आयोजित लोकगायन प्रशिक्षण कार्यशाला का चौथा दिन बच्चों के लिए उत्साहवर्धक और प्रेरणादायी रहा। चार दिनों के प्रशिक्षण के दौरान बच्चों ने जो कुछ सीखा, उसकी प्रस्तुति देखने एवं सुनने के लिए उत्तर प्रदेश एवं लोक जनजाति संस्कृति संस्थान, लखनऊ के निदेशक अतुल द्विवेदी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। यह 11 दिवसीय कार्यशाला उत्तर प्रदेश एवं लोक जनजाति संस्कृति संस्थान, लखनऊ के सहयोग से आयोजित की जा रही है।

निदेशक अतुल द्विवेदी ने बच्चों की सीखने की लगन, उत्साह एवं प्रस्तुतियों की मुक्तकंठ से सराहना की। उन्होंने कहा कि बच्चों में कला और संस्कृति के प्रति विशेष

रुचि दिखाई दे रही है। उनकी सीखने की ललक को देखते हुए उन्होंने भविष्य में बाल गृह के बच्चों के लिए नृत्य एवं पेंटिंग कार्यशालाओं के आयोजन हेतु अपनी संस्तुति प्रदान की। निदेशक द्वारा दो अतिरिक्त कार्यशालाओं की सहमति दिए जाने पर बाल कल्याण समिति, प्रयागराज के अध्यक्ष डॉ. अखिलेश कुमार मिश्र ने उनका आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर संस्कृति निदेशालय, उत्तर प्रदेश, लखनऊ के अमित श्रीवास्तव भी उपस्थित रहे। महिला शरणालय की अधीक्षिका मिथलेश पाल एवं बाल शिशु गृह की अधीक्षिका डॉ. प्रज्ञा सिंह ने बच्चों की प्रस्तुतियों की सराहना करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया।

कार्यशाला में संगीत प्रशिक्षक सूरज प्रकाश के निर्देशन में राहुल सिंह ने हारमोनियम तथा अक्षत ने ढोलक का प्रशिक्षण प्रदान किया। प्रशिक्षकों ने बच्चों को विभिन्न लोकगीतों, संस्कार गीतों तथा पारंपरिक सांस्कृतिक विधाओं का अभ्यास कराया।

कार्यक्रम का संचालन अंकुर श्रीवास्तव ने किया। प्रशिक्षक सूरज प्रकाश ने बताया कि 11 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का उद्देश्य बच्चों को अपनी समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर से जोड़ना, लोक परंपराओं की जानकारी देना तथा गायन-वादन की विभिन्न शैलियों से परिचित कराना है।

चौथे दिन बच्चों ने कजरी, राम-विवाह गीत तथा मिथिला क्षेत्र की विभिन्न लोक विधाओं का प्रशिक्षण प्राप्त किया। कार्यशाला में बच्चों के बढ़ते उत्साह, सक्रिय सहभागिता और सीखने की अभिरुचि ने उपस्थित अतिथियों एवं प्रशिक्षकों को विशेष रूप से प्रभावित किया।

बिजली व्यवस्था धड़ाम होने से किसानों में आक्रोश, ग्रामीणों ने दिया धरना

हमीरपुर। उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले में गत माह आए तूफान से ध्वस्त हुई विद्युत लाइनों के कारण नलकूप ठप होने से किसान धान की नर्सरी नहीं तैयार कर पा रहे हैं। नलकूपों की आपूर्ति बहाल करने की मांग को लेकर टेढ़ा के किसानों ने रविवार को गांव स्थित सब स्टेशन में धरना देकर नलकूपों की आपूर्ति बहाल करने की मांग की है। किसानों का कहना कि धान की नर्सरी को प्रत्येक दशा में 15 जून तक बो जानी चाहिए।

गत माह 28 मई की रात आए भयानक तूफान में सर्वाधिक कहर सुमेरपुर क्षेत्र में बरपाया था। तूफान के चलते सुमेरपुर डिविजन में 1703 पोल क्षतिग्रस्त हुए थे। विद्युत विभाग अभी तक ५० फीसदी पोल नहीं लगा सका है। तूफान के बाद से नलकूपों की आपूर्ति अभी तक बहाल नहीं हो सकी है। रविवार को टेढ़ा के किसान जगमोहन, अभिषेक, वीरेंद्र सिंह, मनीष सिंह,महेश तिवारी, दीपू तिवारी, चंचल सिंह, पंकज यादव,टिल्ला सिंह, मुलायम सिंह, सुरेश सिंह, राकेश गुप्ता, जितेंद्र सिंह, सुखराम यादव, राजेश कुशवाहा, महेश मिश्रा, मुन्नू तिवारी आदि ने टेढ़ा विद्युत सब स्टेशन में धरना देकर नलकूपों की आपूर्ति बहाल करने की मांग की है। किसानों ने बताया कि गांव में करीब 500 से अधिक निजी नलकूप लगे हुए हैं। इनमें करीब 450 नलकूप मौजूदा समय में ठप हैं। किसानों का कहना है कि नलकूपों की आपूर्ति बाधित होने से धान की फसल की नर्सरी नहीं तैयार कर पा रहे है, जबकि धान की फसल की नर्सरी प्रत्येक दशा में 15 जून तक तैयार हो जाना चाहिए। लेकिन जिस तरह के हालात है उससे 15 जून तक आपूर्ति बहाल होने के आसार नजर नहीं आ रहे हैं।

टेढ़ा सब स्टेशन के अवर अभियंता रजनीश कुमार ने बताया किसानों ने पावर हाउस में धरना देकर समस्या से अवगत कराया है। टेढ़ा सब स्टेशन से जुड़े गांवों में 425 विद्युत पोल क्षतिग्रस्त हुए हैं। सर्वाधिक नुकसान नलकूपों की लाइनों में हुआ। किसानों को जल्द आपूर्ति बहाल कराने का आश्वासन दिया गया। सामग्री मंगाई जा रही है एक-दो दिन के अंदर नलकूपों की लाइन बनाने का कार्य शुरू करा दिया जाएगा।

आग लगने से किसान की गृहस्थी जलकर खाक

हमीरपुर। उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले में मौदहा तहसील क्षेत्र के ग्राम खंडेह में रविवार को अज्ञात कारणों से लगी आग में एक किसान की गृहस्थी जलकर राख हो गई। घटना में अनाज, कपड़े और घरेलू सामान नष्ट हो गया। सूचना पर पहुंची अग्निशमन विभाग की टीम ने आग पर काबू पाया।

ग्राम खंडेह निवासी राम अवतार पुत्र देवी दयाल के घर के छप्पर से रविवार सुबह अचानक धुआं और आग की लपटें उठने लगीं। आग देखकर ग्रामीणों में हड़कंप मच गया। राम अवतार ने पड़ोसियों की मदद से पानी और मिट्टी डालकर आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन देखते ही देखते आग ने पूरे घर को अपनी चपेट में ले लिया। आग की चपेट में आने से घर में रखा अनाज, कपड़े तथा अन्य गृहस्थी का सामान जलकर राख हो गया। सूचना मिलने पर अग्निशमन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और पानी की बौछारें डालकर सुलग रही आग को पूरी तरह बुझाया। पीड़ित राम अवतार ने बताया कि अग्निकांड में डेढ़ लाख रुपये से अधिक का नुकसान हुआ है। प्रशासन से आर्थिक सहायता की मांग की गई है। कोतवाल संतोष सिंह ने बताया कि आग लगने की सूचना पर दमकल गाड़ी मौके पर भिजवाई गई। समय रहते दमकल कर्मियों ने आग बुझा दी। बताया कि आग से गृहस्थी का सामान जल गया है। जांच कराई जा रही है।

खदान से मौरंग लेने जा रहा डंपर बना आग का गोला, चालक झुलसा

हमीरपुर। उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले में कस्बा कुरारा से बेरी होकर भेड़ी खदान मौरंग लेने जा रहे डंफर में शॉर्ट सर्किट से आग लग जाने से जल गया। चालक भी आंशिक रूप से झुलस गया। आगजनी की सूचना पर दमकल दस्ते ने आग पर काबू पाया। रविवार को ट्रक मालिक ने थाने में तहरीर दी है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है।

क्षेत्र के देवीगंज गांव के पास भेड़ी खदान से मौरंग लेने जा रहे डंफर में अचानक शॉर्ट सर्किट से अचानक आग लग गई। जब आग ने जोर पकड़ा तो चालक थाना कुरारा क्षेत्र के बम्हनपुर गांव निवासी देव सिंह पुत्र राजू सिंह ने घटना की जानकारी डायल 112 को दी। तथा घटना की जानकारी दमकल दस्ते को दी। तब उन्होंने ने आग पर काबू पाया। ट्रक मालिक शिवम अवस्थी पुत्र राजेश अवस्थी निवासी आदिल नगर कुर्सी रोड थाना गुड़म्बा लखनऊ ने थाने में तहरीर देकर बताया कि ट्रक में देवी गंज गांव के पास आग लग गई है। जिससे ट्रक जल गया है। तथा चालक भी आंशिक रूप से झुलस गया है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है चालक का उपचार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कुरारा में कराया है। सीओ सदर राजेश कमल ने रविवार को बताया कि मौरम लेने एक डंपर खदान जा रहा था तभी शार्ट सर्किट से आग लग गई जिससे डंपर जल गया। डंपर चालक भी आग में झुलस गया है जिसे इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया है। बताया डंपर मालिक की तहरीर पर मुकदमा हादसे का लिखा गया है।

संभल में मस्जिद ध्वस्तीकरण पर भड़के सपा सांसद जियाउर्रहमान बर्क, बोले– लड़ेंगे 'कानूनी लड़ाई

संभल जनपद संभल के कसेरुआ गांव में मस्जिद ध्वस्तीकरण की कार्रवाई को लेकर सियासत तेज हो गई है। सपा सांसद जियाउर्रहमान बर्क ने रविवार को प्रेस वार्ता कर प्रशासन की कार्रवाई पर गंभीर सवाल उठाए और इसे जल्दबाजी में लिया गया फैसला बताया। उन्होंने आरोप लगाया कि मस्जिद, मदरसा, कब्रिस्तान और अन्य धार्मिक स्थलों को निशाना बनाने की घटनाएं बढ़ रही हैं, जो समाज को बांटने की राजनीति का हिस्सा हैं।

सांसद बर्क ने दावा किया कि ध्वस्त की गई मस्जिद करीब 150 वर्ष पुरानी थी और वक्फ संपत्ति के रूप में पंजीकृत थी।

लखनऊ से सोहन लाल वर्मा, गोरखपुर-फैजाबाद से राजीव यादव एवं आगरा खण्ड से शिक्षक से रणविजय सिंह होंगे प्रत्याशी

शिक्षकों की समस्याओं के निस्तारण को लेकर शीघ्र शुरू होगा आंदोलन : डा हरिप्रकाश यादव

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ (एकजुट) प्रदेश कार्यसमिति की बैठक ईसाबेला थोर्बन स्कूल लालबाग, लखनऊ में हुई । बैठक की अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष सोहन लाल वर्मा तथा संचालन प्रदेश महामंत्री राजीव यादव ने किया। प्रदेश कार्यसमिति की बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि सितम्बर - अक्टूबर में होने वाले विधान परिषद शिक्षक एवं स्नातक खण्ड की रिक्त 11 सीटों पर संगठन प्रत्यासी उतारेगा । इस अवसर पर एकजुट के प्रदेश संरक्षक डा हरि प्रकाश यादव ने तीन शिक्षक खण्ड की सीटों पर प्रत्याशी घोषित किए जिसमें लखनऊ खण्ड शिक्षक से प्रदेश अध्यक्ष सोहन लाल वर्मा, गोरखपुर-फैजाबाद खण्ड शिक्षक से प्रदेश महामंत्री राजीव यादव एवं आगरा खण्ड शिक्षक से जिलाध्यक्ष इटावा रणविजय सिंह को संगठन का अधिकृत प्रत्यासी घोषित किया गया । एकजुट के प्रदेश संरक्षक डा हरि प्रकाश यादव ने अन्य क्षेत्रों में प्रत्याशियों की घोषणा जुलाई में की जायेगी ।

एकजुट के प्रदेश संरक्षक डा हरि

प्रकाश यादव ने बताया कि ग्रीष्म कालीन अवकाश के दौरान बिना प्रतिकर अवकाश के शिक्षकों को विद्यालय बुलाने, सेवा सुरक्षा पर सरकार के ढुलमुल रवैये, कैशलेस चिकित्सा व्यवस्था अभी तक लागू न होने, वित्तविहीन शिक्षकों की सेवा नियमावली अभी तक तय न होने, एनपीएस से ओपीएस में आये शिक्षकों का एनपीएस अंशदान जीपीएफ में कन्वर्ट ना होने एवं सत्र 2026 - 27 के लिए अभी तक स्थानांतरण की प्रक्रिया शुरू ना किये जाने पर आक्रोश व्यक्त किया गया ।

एकजुट के प्रदेश अध्यक्ष सोहन लाल वर्मा ने कहा कि सरकार के उपेक्षात्मक रवैये के कारण पूरे प्रदेश के शिक्षकों में भारी आक्रोश है । सरकार शिक्षकों की जायज मांगों पर विचार नहीं कर रही है जो चिंतनीय है किन्तु संगठन शान्त नहीं बैठेगा, लोकतांत्रिक तरीके से संघर्ष किया जायेगा और जरूरत पड़ी तो संगठन सड़क पर उतरेगा । इसी क्रम में 30 जुलाई को प्रदेश के सभी डीआईओएस कार्यालयों पर संगठन धरना प्रदर्शन करेगा ।

इस अवसर पर प्रांतीय पदाधिकारी डॉ हरि प्रकाश यादव, उपेन्द्र वर्मा, प्रमोद पाठक, पवन यादव, बिरजू सरोज, सत्यवीर सिंह दिवाकर, राजू राम रतन, प्रमोद कुमार पाल, बिजेन्द्र वर्मा, डॉ सुनील सिंह, सुरेन्द्र प्रताप सिंह, श्रवण कुमार कुशवाहा सहित सभी जनपदों एवं मण्डलों के बडी संख्या में पदाधिकारी मौजूद रहे ।

संपादकीय

पर्यावरण को बचाने की जरुरत

पर्यावरण शब्द परि और आवरण की सन्धि से बना है। पृथ्वी पर रहने वाले सारे जीव इसी आवरण में उत्पन्न होते हैं, फलते-फूलते हैं, तथा मृत्यु के पश्चात इसी में विलीन हो जाते हैं। जीवों का शरीर पृथ्वी, जल, अग्नि, पृथ्वी हमारी माता है और हम उसके पुत्र हैं। माता पूज्यनीय होती है और पृथ्वी तो माता की भी माता है अतः वह भी पूज्यनीय है। इसीलिए हमारे ऋषियों ने पृथ्वी की पूजा के लिए सभी वेदों में अनेकों मन्त्र बनाये हैं और पृथ्वी के लिए हमें अपना जीवन तक बलिदान करने की शिक्षा दिया है। हमारे ऋषि वायु की शुद्धता की महिमा से भी परिचित थे। इसीलिए, उन्होंने पवन को देवता माना और ऑक्सीजन को प्राण वायु कहा है। उन्होंने वायु की शुद्धता बनाये रखने के लिए कई प्रकार के यज्ञों का विधान भी बनाया था। इसी प्रकार अग्नि को भी देवता माना गया है। ऋग्वेद में अग्नि की पूजा बार-बार की गयी है। अग्नि ही नहीं प्रकृति के हर घटक से, जो कि हमें जीवन और आरोग्य प्रदान करते हैं, देवता मान कर उन्हें पूजा गया है। हमारे ऋषियों ने हमें पर्वतों, ग्रहों, सूर्य, चंद्रमा, पृथ्वी, पत्थर, पेड़, वायु, जल सभी को पूजने और आदर करने की शिक्षा दिया है। कालान्तर में मानव ने अपने विज्ञान का दुरुपयोग करते हुए अपने पोषण के अतिरिक्त अपने निहित स्वार्थ, अहंकार और अपने को प्रभावशाली सिद्ध करने के लिए प्रकृति का दोहन आरम्भ कर दिया। अधिक से अधिक विलासिता पूर्ण जीवन की इच्छा ने उसे हिन्सक बना दिया। उसने घर, वस्त्र, वाहन इत्यादि के लिए, जंगलों, पर्वतों, भूगर्भ-स्थित खनिजों, जल इत्यादि का दुरुपयोग इतना अधिक कर दिया कि सन्सार के पेड़ों की संख्या कई गुना कम हो गयी। पर्वतों को तोड़ डाला, भूगर्भ-स्थित खनिजों का इतना दोहन किया कि आने वाली पीढ़ी के लिए कुछ भी नहीं छोड़ा।जनसंख्या विस्फोट, औद्योगीकरण, शहरीकरण, वननाश, अत्यधिक चराई, झूम कृषि तथा खनन गतिविधियाँ भूमि संसाधनों के क्षरण के प्रमुख कारण हैं। इनके अतिरिक्त रासायनिक उर्वरकों एवं पेस्टीसाइड्स पर आधारित पारम्परिक कृषि भी भूमि क्षरण का एक प्रमुख कारण है। हरित क्रान्ति के आगमन से कृषि उत्पादन में वृद्धि के लिए रासायनिक खादों, कीटनाशकों तथा शाकनाशकों के अंधाधुन्ध प्रयोग से न केवल वातावरण प्रदूषित हुआ है, अपितु भूमि की उर्वरा शक्ति बढ़ाने वाले सूक्ष्मजीवों की जनसंख्या में भी लगातार गिरावट दर्ज की गयी है जिससे मृदा की पैदावार शक्ति में कमी आयी है। अत्यधिक रासायनिक उर्वरकों विशेषकर यूरिया के प्रयोग से भूमि अम्लीय हो जाती है। अम्लीय मृदा में सूक्ष्म पोषक तत्वों जैसे कापर तथा जिंक पौधों को उपलब्ध नही हो पाते हैं। इसके अतिरिक्त इस प्रकार की मृदा में आमतौर से कैल्शियम तथा पोटैशियम तत्वों का अभाव होता है। इसलिए,इस प्रकार की मृदा में फसल की पैदावार में गिरावट आ जाती है। खेती के लिए मृदा का नैसर्गिक स्रोत पृथ्वी की सतह भूमि है। हमारे देश में सामान्यतः कृषि भूमि से अनुमन्य भूक्षरण की दर लगभग 7.5 टन प्रति हैक्टेयर प्रति वर्ष है, परन्तु वर्तमान दर लगभग 20-30 टन प्रति हैक्टेयर प्रति वर्ष तक पहुँच गयी है, जिसमें अधिकतम योगदान पर्वतीय क्षेत्रों का है। यह एक चिन्ता का विषय है जिसके लिए तुरन्त मृदा संरक्षण के उपयुक्त उपाय प्रयोग करना अत्यावश्यक है। मृदा पृथ्वी की सबसे ऊपरी परत है जो कि जीवन बनाये रखने में सक्षम है किसानों के लिए मृदा का बहुत अधिक महत्व होता है, क्योंकि किसान इसी मृदा से प्रत्येक वर्ष स्वस्थ व अच्छी फसल की पैदावार पर आश्रित होते हैं बहते हुए जल या वायु के प्रवाह द्वारा मृदा के पृथक्कीकरण तथा एक स्थान से दूसर स्थान तक स्थानान्तरण को ही मृदा अपरदन से प्रभावित लगभग 150 मिलियन हैक्टेयर क्षेत्रफल है जिसमें से 69 मिलियन हैक्टेयर क्षेत्रफल अपरदन की गंभीर स्थिति की श्रेणी में रखा गया है मृदा की ऊपरी सतह का प्रत्येक वर्ष अपरदन द्वारा लगभग 5334 मिलियन टन से भी अधिक क्षय हो रहो देश के कुल भौगोलिक क्षेत्रफल का लगभग 57% भाग मृदा ह्रास के विभिन्न प्रक्ररों से ग्रस्त है जिसका 45% जल अपरदन से तथा शेष 12% भाग वायु अपरदन से प्रभावित है भारत एक कृषि प्रधान देश हैं, भोजन हमारी मूलभूत आवश्यकता है। देश में ह्यहरित क्रांतिह्न के माध्यम से कृषि उत्पादन में आशातीत वृद्धि हुई, किन्तु ह्यजनसंख्या विस्फोटह्न के कारण भोजन की समस्या आज भी बनी हुई है। खाद्यान्न पूरी तरह से उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। भूमि एक अत्यन्त ही महत्वपूर्ण प्राकृतिक संसाधन जो हमें अच्छा भोजन प्रदान करती है। कुपोषण से निजात के लिए सभी पौष्टिक तत्व से युक्त अच्छा आहार बहूत जरूरी है अच्छा आहार अच्छी फसल, तथा सुरक्षित मिट्टी व उपजाऊ भूमि से मिलता है। मिट्टी का कटाव ऊपरी मिट्टी को हटा देता है जो कार्बनिक पदार्थ, पोषक तत्वों, सूक्ष्म जीवों के लिए जरूरी होता है, जिनके लिए पौधों को बढ़ने और उगने में मदद करता है। संरक्षण एक ऐसा कदम है जो मिटटी की शक्ति को नष्ट होने से बचाता है। मृदा प्रदूषण कृषि भूमि पर कीटनाशकों और उर्वरकों की अधिकता के कारण फैलता है। पौधों के विकास और पनपने के लिए स्वस्थ मिट्टी महत्वपूर्ण है। मिट्टी के संरक्षण के लिए कई तरीके हैं जो कि आप कृषि पद्धतियों या उपायों के माध्यम से किया जा सकता है। अनुकूली क्षमता के निर्माण में योजनाबद्ध अनुकूलन का व्यापक महत्त्व है। आवासीय और वाणिज्यिक भवनों के लिये पैसिव कूलिंग प्रौद्योगिकी ह्यअर्बन हीट आइलैंडह्न की समस्या को कम करने हेतु एक व्यवहार्य विकल्प प्रदान करती है। जलवायु परिवर्तन पर अंतर-सरकारी पैनल की एक रिपोर्ट में इस प्रौद्योगिकी का उपयोग करने वाले प्राचीन भारतीय भवन डिजाइनों का हवाला दिया गया है, जिनका उपयोग आधुनिक भवनों में भी किया जा सकता है। आपदा प्रत्यास्थी अवसंरचना के अंतर्गत आश्रय गृहों, तटीय तटबंधों और बाढ़ प्रतिरोधी इमारतों एवं सड़कों के निर्माण के माध्यम से आपदा प्रतिरोधी अवसंरचना का विकास करना शामिल है। इसके साथ ही, उपयुक्त और कुशल मौसम पूर्वानुमान एवं पूर्व चेतावनी प्रणाली का विकास करना भी आवश्यक है इस प्रकार, जलवायु परिवर्तन के प्रति अनुकूल होने के सीमित साधन रखने वाले लोगों के कल्याण के लिये किये जाने वाले प्रयासों के परिणामस्वरूप सीमित बजट और निम्न आर्थिक विकास जैसे परिणाम उत्पन्न हो सकते हैं।

स्वच्छ और हरित ऊर्जा का विकास जीवाश्म ईंधन के बोझ को दूर करने और वायु प्रदूषण को कम करने में मदद कर सकता है। नई पारगमन प्रणालियों का विकास और मौजूदा प्रणालियों के विस्तार से भी रोजगार में तेजी आ सकती है।?भारत की राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान रिपोर्ट वर्ष 2030 तक स्वच्छ ऊर्जा से 35 प्रतिशत ऊर्जा उत्पादन का लक्ष्य रखती है। आबादी के बढ़ने के कारण जंगल के पेड़-पौधें, चारे और मकान आदि के लिए काटे जा रहे हैं।

राहुल गांधी का मूल्यांकन: क्या भारतीय राजनीति में उनके साथ न्याय हुआ है?

भूपेन्द्र गुप्ता

भारतीय राजनीति में शायद ही कोई नेता ऐसा रहा हो जिसकी आलोचना और चर्चा उतनी हुई हो जितनी राहुल गांधी की। पिछले डेढ़ दशक में उन्हें कभी अनुभवहीन, कभी अनिच्छुक राजनेता और कभी वंशवाद का प्रतीक बताया गया। इतिहासकार रामचंद्र गुहा ने भी राहुल गांधी को ढी॒ल्लशील्लइ्ळल्ली प्ि-ीइइल्लशी कहा था—अर्थात अच्छी नीयत रखने वाला किंतु शौकिया राजनेता। प्रश्न यह है कि क्या यह मूल्यांकन आज भी उतना ही प्रासंगिक है, या समय ने इस निष्कर्ष को चुनौती दी है?

राहुल गांधी के आलोचक प्रायः उनके पारिवारिक पृष्ठभूमि को उनके राजनीतिक जीवन का केंद्रीय तथ्य मानते हैं। इसमें संदेह नहीं कि वे भारत के सबसे प्रसिद्ध राजनीतिक परिवार से आते हैं। किंतु क्या किसी नेता का अंतिम मूल्यांकन उसके उपनाम से होना चाहिए या उसके सार्वजनिक जीवन के कार्यों से?

यदि केवल वंशवाद ही कसौटी है, तो भारतीय राजनीति के अनेक दलों और नेताओं की वैधता पर समान प्रश्न उठने चाहिए। लगभग हर बड़े दल में ऐसे नेता मौजूद हैं जिनकी प्रारंभिक राजनीतिक पहचान पारिवारिक विरासत से बनी। किंतु उनके मूल्यांकन में अक्सर उनकी राजनीतिक क्षमता, जनाधार और चुनावी प्रदर्शन को भी महत्व दिया जाता है। राहुल गांधी के मामले में यह उदारता कम दिखाई देती है।

पिछले वर्षों में राहुल गांधी ने भारतीय राजनीति में एक अलग प्रकार की राजनीतिक शैली प्रस्तुत करने का प्रयास किया है। भारत जोड़ो यात्रा और भारत जोड़ो न्याय यात्रा केवल राजनीतिक अभियान नहीं थे; वे जनता से प्रत्यक्ष संवाद स्थापित करने के प्रयास भी थे। हजारों किलोमीटर की यात्राएँ, लगातार जनसंपर्क और विभिन्न सामाजिक समूहों से संवाद किसी ऐसे नेता की तस्वीर प्रस्तुत करते हैं जिसे राजनीति में रुचि नहीं है, यह कहना कठिन हो जाता है।

यह भी ध्यान देने योग्य है कि राहुल गांधी ने अत्यंत प्रतिकूल राजनीतिक वातावरण में अपनी प्रासंगिकता बनाए रखी है। भारतीय राजनीति में ऐसे अनेक नेता रहे हैं जो एक बड़ी चुनावी हार के बाद सार्वजनिक जीवन के हाशिये पर चले गए। इसके विपरीत राहुल गांधी राष्ट्रीय राजनीति के प्रमुख विपक्षी चेहरों में बने रहे, लोकसभा में चुने जाते रहे और विपक्षी विमर्श को प्रभावित करते रहे। किसी भी लोकतंत्र में यह स्वयं एक राजनीतिक उपलब्धि मानी जाती है।

यहीं रामचंद्र गुहा जैसे विश्लेषकों के मूल्यांकन पर प्रश्न उठता है। यदि किसी नेता की सफलता का मापदंड केवल सत्ता प्राप्ति है, तो लोकतंत्र में विपक्ष की भूमिका का महत्व कम हो जाता है। और यदि सफलता का मापदंड जनसंपर्क, वैचारिक हस्तक्षेप, संगठनात्मक प्रभाव और सार्वजनिक स्वीकार्यता भी है, तो राहुल गांधी का मूल्यांकन अधिक संतुलित होना चाहिए।

गुहा की आलोचना का एक दूसरा पक्ष भी है। वे कांग्रेस में गांधी परिवार की केंद्रीय भूमिका को भारतीय लोकतंत्र की समस्या मानते हैं। यह एक वैध तर्क है। किंतु निष्पक्ष विश्लेषण की मांग यह है कि वही कसौटी अन्य दलों और अन्य राजनीतिक परिवारों पर भी समान कठोरता से लागू की जाए। यदि किसी दल में वंशानुगत नेताओं की उपस्थिति राजनीतिक क्षमता का प्रमाण मानी जाती है, तो दूसरे दल में वही तथ्य लोकतांत्रिक दोष का पर्याय कैसे बन जाता है?

राहुल गांधी का मूल्यांकन करते समय यह स्वीकार करना आवश्यक है कि उनकी राजनीति से असहमति संभव है। उनकी रणनीतियों की आलोचना भी की जा सकती है। किंतु उन्हें केवल एक राजनीतिक उपनाम तक सीमित कर देना उनके सार्वजनिक जीवन के वास्तविक प्रयासों की उपेक्षा होगी।

लोकतंत्र में किसी नेता का अंतिम मूल्यांकन इतिहास करता है, और इतिहास केवल वंश नहीं देखता; वह यह भी देखता है कि कठिन समय में किसने संघर्ष किया, जनता से संवाद किया और अपने विचारों के लिए कितना जोखिम उठाया। राहुल गांधी के समर्थक इसी आधार पर कहते हैं कि उनके बारे में प्रचलित धारणाओं और उनके वास्तविक राजनीतिक प्रयासों के बीच की दूरी को अब नए सिरे से परखा जाना चाहिए।

इसलिए प्रश्न केवल यह नहीं है कि राहुल गांधी कौन हैं; प्रश्न यह भी है कि क्या भारतीय सार्वजनिक विमर्श उन्हें उसी कसौटी पर परखता है जिस पर वह अन्य नेताओं को परखता है। यदि उत्तर नहीं है, तो शायद पुनर्मूल्यांकन का समय आ चुका है।

तमिलनाडु की सियासत में सिंघम का नया दांव और बीजेपी के सामने बड़ी चुनौती

अजय कुमार

दक्षिण भारत के सियासी समर में तमिलनाडु इस वक्त एक बेहद दिलचस्प और जटिल मोड़ पर खड़ा है। कर्नाटक कैडर के पूर्व आईपीएस अधिकारी और तमिलनाडु बीजेपी के पूर्व अध्यक्ष के. अन्नामलाई की दिल्ली में पार्टी के शीर्ष नेतृत्व से मुलाकातों ने राज्य की राजनीति में हलचल तेज कर दी है। चेन्नई एयरपोर्ट पर बिना बीजेपी के झंडे वाली गाड़ी से उतरने से लेकर दिल्ली में गृह मंत्री अमित शाह, बीजेपी अध्यक्ष नितिन नवीन और संगठन मंत्री बीएल संतोष के साथ बंद कमरों में हुई बैठकों तक, हर घटनाक्रम इसी ओर इशारा कर रहा है कि यह रिश्ता अब एक म्युचुअल डिवोर्स यानी आपसी सहमति से जुदा होने की कगार पर पहुंच गया है। करीब पांच साल का यह साथ दोनों ही पक्षों के लिए बेहद उतार-चढ़ाव भरा रहा है, जहां दोनों ने एक-दूसरे को बहुत कुछ दिया, लेकिन अब इस रिश्ते की उम्र पूरी होती दिख रही है। सबसे बड़ी बात यह है कि अन्नामलाई बीजेपी से कोई दुश्मनी या टकराव मोल लेकर नहीं, बल्कि एक बेहद खूबसूरत मोड़ पर हंसते-हंसते विदा होना चाहते हैं, ताकि भविष्य में कभी जरूरत पड़ने पर गठबंधन या साथ मिलकर काम करने के विकल्प हमेशा खुले रहें। राजनीतिक गलियारों और सूत्रों के हवाले से जो खबरें छनकर बाहर आ रही हैं, उनके मुताबिक अन्नामलाई ने दिल्ली दरबार में साफ तौर पर पार्टी से अलग होने की इच्छा जताते हुए अपने इस्तीफे की पेशकश कर दी है। हालांकि, बीजेपी का केंद्रीय नेतृत्व उन्हें इतनी आसानी से खोना नहीं चाहता। यही वजह है कि जब अन्नामलाई अमित शाह से मुलाकात के बाद वापस चेन्नई लौटने के लिए दिल्ली एयरपोर्ट के रास्ते में थे, तब उन्हें फोन करके दोबारा बातचीत के लिए वापस बुला लिया गया। शीर्ष नेतृत्व चाहता है कि वह प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा देने के अपने फैसले पर एक बार फिर ठंडे दिमाग से विचार करें। बीजेपी की तरफ से उन्हें मनाने के लिए राज्यसभा सीट तक का ऑफर दिया गया, जिसे अन्नामलाई ने बेहद शालीनता से ठुकरा दिया। दरअसल, अन्नामलाई ने हाईकमान के सामने बहुत स्पष्ट तौर पर दो ही विकल्प रखे हैं। पहला विकल्प यह है कि उन्हें पूरी स्वायत्तता, असीमित अधिकार और कम से कम सात साल के एक लंबे कार्यकाल के साथ दोबारा तमिलनाडु बीजेपी की कमान सौंपी जाए। दूसरा विकल्प यह कि अगर पार्टी ऐसा नहीं कर सकती, तो उन्हें गरिमापूर्ण तरीके से अपनी अलग राजनीतिक राह चुनने की आजादी दे दी जाए।

अन्नामलाई का पूरा ध्यान इस वक्त तमिलनाडु की जमीनी हकीकत पर केंद्रित है। उनका तर्क है कि राज्य के मौजूदा सियासी मिजाज में किसी भी शुद्ध राष्ट्रीय पार्टी के लिए बहुत ज्यादा गुंजाइश नहीं बची है। वहां एक ऐसी नई और वैकल्पिक राजनीतिक ताकत की जरूरत है, जो जमीन से जुड़ी हो और तमिल अस्मिता के साथ-साथ तमाम तबकों की चिंताओं को सुनने का माद्दा रखती हो। सूत्रों की मानें तो अन्नामलाई सीधे कोई राजनीतिक दल घोषित करने के बजाय सबसे पहले तमिलनाडु में एक बड़ा गैर-राजनीतिक जनआंदोलन शुरू करने की तैयारी में हैं, जिसका नाम मक्कल शक्ति इयक्कम यानी पीपुल्स पावर मूवमेंट हो सकता है। यह आंदोलन राष्ट्रवादी तमिल दर्शन की बुनियाद पर खड़ा होगा, जिसे बाद में चलकर एक मजबूत क्षेत्रीय राजनीतिक दल का रूप दिया जा सकता है। आगामी 7 जून को वह अपने तमाम समर्थकों के साथ एक बड़ी बैठक करने वाले हैं, जिसके बाद उनकी आगे की रणनीति और इस नए सफर का आधिकारिक ऐलान होने की पूरी संभावना है।

इस पूरे घटनाक्रम के पीछे तमिलनाडु के बदलते राजनीतिक समीकरण और हाल ही में उभरा एक नया शून्य सबसे बड़ी वजह है। दरअसल, सिनेमा के पर्दे से सियासत के मंच पर आए सुपरस्टार सी. जोसेफ विजय की पार्टी तमिलगा वेत्री कड़गम (टीवीके) ने अपने पहले ही विधानसभा चुनाव में रिकॉर्ड 108 सीटें जीतकर राज्य के दशकों पुराने द्रविड़ समीकरण को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया है। विजय की इस आक्रामक एंट्री ने सत्तारूढ़ डीएमके और मुख्य विपक्षी दल एआईएडीएमके के पारंपरिक वोट बैंक में जबरदस्त सेंध लगाई है। अन्नामलाई को लगता है कि थलपति विजय के इस उभार के बाद द्रविड़ राजनीति का वह पुराना दौर अब खत्म हो चुका है, जहां सिर्फ भाषा और क्षेत्रीयता के पुराने ढर्रे पर चुनाव जीते जाते थे। इस वक्त विजय को काउंटर करने के लिए राज्य में कोई दूसरा बड़ा और जुझारू चेहरा नहीं है। ऐसे में नए प्रयोगों और चेहरों के लिए तमिलनाडु की धरती पर एक बड़ा स्पेस तैयार हुआ है, जिसे अन्नामलाई अपनी शर्तों पर भुनाना चाहते हैं।

बीजेपी के भीतर भी इस बात को लेकर एक गंभीर आत्ममंथन चल रहा है कि अन्नामलाई का जाना पार्टी के लिए एक बहुत बड़ा झटका साबित हो सकता है। राज्य के कई सीनियर नेताओं का दबी जुबान में मानना है कि दिल्ली में बैठे रणनीतिकार तमिलनाडु के जमीनी मिजाज और चुनावी नब्ज को ठीक से समझने में नाकाम रहे। अगर पार्टी ने अन्नामलाई को पूरी खुली छूट और फैसले लेने की आजादी दी होती, तो आज विजय राज्य में राजनीतिक परिवर्तन के अकेले नायक बनकर नहीं उभरते। आंकड़ों के लिहाज से देखें तो अन्नामलाई की बेहद आक्रामक और लोकप्रिय एन मन्न, एन मक्कल (मेरी भूमि, मेरे लोग) पदयात्रा ने राज्य की राजनीति का नक्शा बदल दिया था। करीब 200 दिनों तक चली और सभी 234 विधानसभा क्षेत्रों को नापने वाली इस यात्रा की बदौलत ही 2021 के चुनाव में महज 3 फीसदी पर सिमटी बीजेपी का वोट शेयर 2024 के लोकसभा चुनाव में बढ़कर 11 फीसदी तक पहुंच गया था। लेकिन 2026 के विधानसभा चुनाव से ठीक पहले केंद्रीय नेतृत्व ने अन्नामलाई को किनारे करते हुए नैनार नागेंद्रन को कमान सौंप दी, जिसके पीछे एआईएडीएमके के साथ गठबंधन की मजबूरियां बताई गईं। नतीजा यह हुआ कि बीजेपी का वोट शेयर 2026 में एक बार फिर गिरकर महज 3 फीसदी पर आ गया।

इस पूरी उठापटक ने अन्नामलाई के समर्थकों के भीतर इस भरोसे को और मजबूत कर दिया है कि उनकी व्यक्तिगत राजनीतिक लोकप्रियता और वजूद, सूबे में बीजेपी की अपनी सांगठनिक ताकत से कहीं ज्यादा बड़ा हो चुका है। यही वजह है कि चुनावी हार के बावजूद अन्नामलाई लगातार सुर्खियों के केंद्र में बने हुए हैं। 2021 में करूर की अरावाकुरिची सीट से विधानसभा चुनाव हारने और 2024 में कोयंबटूर लोकसभा सीट पर शिकस्त मिलने के बाद भी उनकी प्रासंगिकता रत्ती भर कम नहीं हुई है। उनकी साफ-सुथरी छवि, प्रशासनिक अनुभव, सुशासन और भ्रष्टाचार के खिलाफ कड़ा रुख युवाओं और शहरी वोटरों के बीच बेहद लोकप्रिय है।

हालांकि, बीजेपी जैसी बड़ी राष्ट्रीय पार्टी का ठप्पा हटने के बाद अपनी नई स्वतंत्र पहचान बनाना अन्नामलाई के लिए किसी बड़े स्टार्ट-अप को शुरू करने जैसा ही जोखिम भरा और चुनौतीपूर्ण काम है। भारतीय राजनीति के इतिहास में ऐसे कई उदाहरण मौजूद हैं जहां राष्ट्रीय दलों से अलग होकर क्षेत्रीय दल बनाने वाले कद्दावर नेता बाद में अपनी अलग पहचान बनाए रखने के लिए संघर्ष करते दिखे। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी का उदाहरण सबके सामने है, जो बीजेपी से अलग होकर सालों तक पदयात्राएं करते रहे लेकिन अंततः जनता के बीच से अपनी पुरानी छवि नहीं मिटा पाए और वापस बीजेपी में ही अपनी पार्टी का विलय करना पड़ा। अन्नामलाई के सामने भी यही सबसे बड़ा खतरा है कि क्या वह खुद पर लगे बीजेपी के रंग को उतारकर जनता को यह समझा पाएंगे कि उनका नया आंदोलन वाकई अलग और पूरी तरह तमिल अस्मिता को समर्पित है। बहरहाल, 41 वर्षीय युवा और ऊर्जावान अन्नामलाई के पास खोने के लिए कुछ नहीं है और समय उनके पक्ष में है।

वह इस पूरी विदाई को मशहूर शायर बशीर बद्र के उस फलसफे की तरह जीना चाहते हैं, जिसमें कहा गया है कि दुश्मनी जम कर करो लेकिन ये गुंजाइश रहे, जब कभी हम दोस्त हो जाएं तो शर्मिंदा न हों। अब देखना यह होगा कि 7 जून को चेन्नई की धरती से वह कौन सा नया राजनीतिक शंखनाद करते हैं।

डिजिटल आक्रामकता के जाल में फंसा बचपन

दिलीप कुमार पाठक

आजकल घरों में शाम के वक्त एक खामोश नजारा दिखाई देता है। पूरा परिवार एक ही कमरे में, एक ही सोफे पर साथ बैठा होता है, लेकिन आपस में कोई बातचीत नहीं होती। सब के सब चुपचाप अपने-अपने मोबाइल की स्क्रीन में खोए रहते हैं। माता-पिता भी इस बात से बड़े खुश और बेफिक्र रहते हैं कि उनका बच्चा बाहर धूप या धूल-मिट्टी में नहीं घूम रहा है, बल्कि घर के अंदर आराम से सुरक्षित बैठा है। लेकिन क्या कभी हमने ठंडे दिमाग से बैठकर यह सोचने की कोशिश की है कि स्क्रीन में अपनी आंखें गड़ाए बैठा हमारा यह मासूम बच्चा अंदर ही अंदर किस मानसिक दौर से गुजर रहा है? कहीं उसके नन्हें दिमाग पर नकारात्मक असर तो नहीं हो रहा?

हर साल 4 जून को पूरी दुनिया में आक्रामकता के शिकार मासूम बच्चों का अंतर्राष्ट्रीय दिवस मनाया जाता है। पुराने जमाने में जब इस दिन की चर्चा होती थी, तो बच्चों पर अत्याचार का सीधा सा मतलब लड़ाई-झगड़े, युद्ध, दंगे या फिर फैक्ट्रियों में होने वाली बाल-मजूदरी से लगाया जाता था। लेकिन आज के इस आधुनिक और डिजिटल युग में मासूमों के खिलाफ होने वाली हिंसा का पूरा चेहरा ही बदल चुका है। अब यह आक्रामकता सड़क पर शोर नहीं मचाती। अब यह हिंसा बिना किसी आवाज के, इंटरनेट के महीन रास्तों से रेंगती हुई सीधे हमारे घरों के भीतर और हमारे बच्चों के दिमाग पर सीधा हमला कर रही है। जरा रुककर गंभीरता से सोचिए। आपका बच्चा आपके ठीक सामने बैठा हो सकता है, लेकिन मुमकिन है कि ठीक उसी वक्त उसका कोमल मन किसी बहुत गहरे तनाव या डर में डूब रहा हो। ऑनलाइन गेम खेलते समय किसी अनजान शख्स द्वारा दी गई गंदी गालियां, सोशल मीडिया पर दोस्तों द्वारा उड़ाया गया उसका कोई भद्दा मजाक, या फिर इंटरनेट के समंदर में छिपे किसी अपराधी की गंदी नजर। यह डिजिटल आक्रामकता ऐसी होती है जो बाहर से शरीर पर दिखाई नहीं देती, इसलिए इसके जख्म और भी ज्यादा गहरे होते हैं। यह अदृश्य हमला बच्चे के आत्मविश्वास को भीतर ही भीतर खोखला कर देता है। सबसे ज्यादा डरावना तो यह है कि इंटरनेट के इस गंदे खेल में कोई तीसरा देखने वाला गवाह नहीं होता, सिवाय उस एक सहमे हुए और अकेले पड़ चुके बच्चे के। वैश्विक संस्था यूनिसेफ की एक हालिया रिपोर्ट साफ कहती है कि दुनिया में इंटरनेट इस्तेमाल करने वाला हर तीसरा इंसान असल में एक बच्चा है। और इससे भी ज्यादा चौंकाने वाली बात यह है कि इनमें से एक बहुत बड़ी आबादी ऑनलाइन किसी न किसी रूप में मानसिक या भावनात्मक प्रताड़ना का शिकार होती है। हम अपनी व्यस्त जिंदगी में बच्चों को रोने से रोकने या उन्हें शांत बैठाने के लिए खिलौने की जगह मोबाइल थमा देते हैं। यह डिजिटल झुनझुना शुरू-शुरू में तो हमें बड़ी राहत देता है, लेकिन धीरे-धीरे यही मोबाइल बच्चे और माता-पिता के बीच बातचीत का रास्ता हमेशा के लिए बंद कर देता है। जब बच्चा इंटरनेट की किसी बड़ी मुसीबत या ब्लैकमेलिंग में फंसता है, तो वह लोक-लाज और डर के मारे अपने मम्मी-पापा को कुछ नहीं बता पाता। वह अंदर ही अंदर घुटता रहता है, उसका स्वभाव चिड़चिड़ा हो जाता है और वह खुद को एक अंधेरे कमरे में बंद कर लेता है। अब वह समय आ गया है जब हमें इस बढ़ते हुए खतरे को गहराई से समझना होगा। यह कोई ऐसी सामाजिक समस्या नहीं है जो केवल पुलिस की मुस्तैदी या सरकार के कड़े कानून बना देने भर से ठीक हो जाएगी। इस बीमारी के इलाज की शुरूआत हमारे अपने घर के भीतर से ही होगी। बच्चों को महंगे स्मार्टफोन या गैजेट्स लाकर देने से कहीं ज्यादा जरूरी है उन्हें अपना कीमती वक्त देना। अपने बच्चों के बदलते हुए बर्ताव पर हमेशा नजर रखिए। अगर आपका हंसता-खेलता बच्चा अचानक गुमसुम रहने लगा है, बात-बात पर गुस्सा कर रहा है या आपसे अपना फोन छिपाने लगा है, तो उसे डांटने या मारने की गलती बिल्कुल मत कीजिए। उसके पास बैठिए, प्यार से हाथ थामिए, उससे खुलकर बातें कीजिए और उसे यह भरोसा दिलाइए कि दुनिया की चाहे जो भी मुसीबत हो, उसके मम्मी-पापा हमेशा उसके साथ खड़े हैं। इस देश के बचपन को सुरक्षित और सुंदर बनाने की जिम्मेदारी हम सबकी है। आइए, इस डिजिटल दौर में अपने बच्चों के सबसे अच्छे और सच्चे दोस्त बनें। उनके हाथ से कुछ देर के लिए फोन छीनकर उन्हें पास के मैदान में खेलने के लिए भेजें, रात को सोने से पहले उनसे गप्पें मारें और उन्हें खुलकर हंसने का असली मौका दें। जब तक हम उनके लिए घर में एक सुरक्षित और भरोसेमंद माहौल नहीं बनाएंगे, तब तक स्क्रीन के पीछे का यह रोना कभी बंद नहीं होगा।

हमारे देश का उज्ज्वल भविष्य मोबाइल की इस छोटी सी स्क्रीन में घुट-घुट कर जीने के लिए नहीं, बल्कि खुले आसमान के नीचे खुलकर जिंदगी जीने के लिए है।

अग्निकांडों से सीख: यह केवल एक व्यक्ति या संस्था की नहीं बल्कि पूरे तंत्र की विफलता

(लेखक-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी/ईएमएस)

वैश्विक स्तर पर फिर एक बार हड़कंप मच गया जब दिल्ली के मालवीय नगर क्षेत्र में 3 जून 2026 को हुए भीषण अग्निकांड में बड़ी संख्या में लोगों की मृत्यु और घायल होने की खबर ने एक बार फिर यह प्रश्न खड़ा कर दिया है कि जब किसी होटल,अस्पताल, मॉल, स्कूल, औद्योगिक इकाई या व्यावसायिक भवन में आग लगती है तो आखिर ऐसी त्रासदी केवल आग के कारण होती है या उसके पीछे वर्षों से जमा होती आ रही प्रशासनिक, तकनीकी और संस्थागत विफलताओं की लंबी श्रृंखला भी जिम्मेदार होती है। दुनियाँ के किसी भी देश में आग लगना एक दुर्घटना हो सकती है,लेकिन आग के कारण बड़ी संख्या में लोगों की मृत्यु होना अक्सर एक प्रणालीगत विफलता माना जाता है। अंतरराष्ट्रीय आपदा प्रबंधन विशेषज्ञों का मानना है कि अधिकांश बड़े अग्निकांडों में मौतें केवल आग से नहीं बल्कि सुरक्षा मानकों की अनदेखी, निकासी व्यवस्था की कमी, आपातकालीन प्रतिक्रिया में देरी,निरीक्षण तंत्र की कमजोरी और भ्रष्टाचार के कारण होती हैं।इसलिए किसी भी अग्निकांड की जांच केवल यह पता लगाने तक सीमित नहीं रहनी चाहिए कि आग कैसे लगी, बल्कि यह भी देखा जाना चाहिए कि ऐसी स्थिति बनने ही क्यों दी गई।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि, 3 जून 2026 की सुबह भारत की राजधानी दिल्ली के मालवीय नगर स्थित फ्लोरिश स्टे होटल और उससे जुड़े रेस्तरां में लगी भीषण आग ने केवल 21 से अधिक लोगों की जान नहीं ली,बल्कि देश की शहरी सुरक्षा व्यवस्था,नियामक तंत्र, प्रशासनिक जवाबदेही और सार्वजनिक सुरक्षा संस्कृति पर भी गंभीर प्रश्नचिह्न लगा दिया। मीडिया में आए प्रारंभिक रिपोर्टों के अनुसार

भवन को केवल 6 कमरों की अनुमति थी,जबकि वहां लगभग 25 कमरे संचालित किए जा रहे थे। इससे भी अधिक चिंताजनक तथ्य यह सामने आया कि भवन के पास वैध फायर एनओसी नहीं थी तथा अंदर आने- जाने के लिए प्रभावी आपातकालीन निकास व्यवस्था भी उपलब्ध नहीं थी। बेसमेंट में लोगों के फंस जाने की खबरों ने स्थिति को और भयावह बना दिया।इस त्रासदी में 21 लोगों की मृत्यु हुई, 40 से अधिक लोगों को बचाया गया तथा अनेक गंभीर रूप से घायल अस्पतालों में जीवन और मृत्यु के बीच संघर्ष कर रहे हैं। मृतकों में मध्य एशिया और अफ्रीकी देशों के कई विदेशी नागरिक भी शामिल बताए जा रहे हैं, जो भारत में चिकित्सा उपचार या अन्य कारणों से आए थेप्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार लोग धुएं और लपटों से बचने के लिए तीसरी और चौथी मंजिल से कूदने को मजबूर हो गए, जबकि स्थानीय नागरिक नीचे गद्दे बिछाकर उनकी जान बचाने का प्रयास कर रहे थे।

यह घटना किसी भूकंप, बाढ़ या प्राकृतिक आपदा का परिणाम नहीं थी, बल्कि प्रथम दृष्टया मानवीय लापरवाही,नियमों कीअवहेलना भ्रष्टाचार, कमजोर निगरानी और जवाबदेही की कमी का परिणाम प्रतीत होती है। यही कारण है कि यह दुर्घटना केवल एक होटल अग्निकांड नहीं बल्कि आधुनिक भारतीय शहरी प्रशासन की विफलताओं का प्रतीक बन गई है।

साथियों बात अगर हम ऐसी घटनाओं के भारतीय इतिहास की करें तो, भारत का इतिहास ऐसी दर्दनाक घटनाओं से भरा पड़ा है। वर्ष 1997 में दिल्ली के उपहार सिनेमा फायर में 59 लोगों की मृत्यु हुई थी। जांच में सामने आया कि आपातकालीन निकास मार्ग अवरुद्ध थे, सुरक्षा मानकों का पालन नहीं किया गया था तथा प्रबंधन और प्रशासन दोनों स्तरों पर गंभीर लापरवाही हुई थी। वर्ष 2004 में कुम्बाकूनम स्कूल फायर में 94 स्कूली बच्चों की मृत्यु हुई।विद्यालय में अग्नि सुरक्षा प्रबंधअत्यंत कमजोर थे और ज्वलनशील सामग्री का उपयोग किया गया था। वर्ष 2019 में अनाज मंडी फायर में 43 लोगों की मृत्यु हुई, जहां फैक्ट्री अवैध रूप से संचालित हो रही थी और निकास व्यवस्था अपर्याप्त थी।

वाराणसी शहर की सीमा से बाहर स्थानांतरित होंगी मीट-मांस व मछली की दुकानें

वाराणसी।
उत्तर प्रदेश की धार्मिक नगरी वाराणसी (काशी) में शहर के भीतर हर गली-मोहल्लों में मीट-मांस और मछली की बिक्री का दौर अब जल्द ही अतीत की बात हो जाएगी। नगर निगम ने शहर को व्यवस्थित और स्वच्छ रखने की दिशा में एक बड़ा और साहसिक निर्णय लिया है। इसके तहत अब मीट-मांस व मछली की सभी दुकानें शहर की सीमा से बाहर स्थानांतरित की जाएंगी।

महापौर अशोक कुमार तिवारी की अध्यक्षता में शनिवार को मैदागिन स्थित टाउनहाल भवन में आयोजित सदन की बैठक में इस प्रस्ताव पर मुहर लगाते हुए रूपरेखा स्पष्ट कर दी गई। बैठक में शहर के चतुर्दिक विकास, अतिक्रमण और जनहित से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तृत चर्चा हुई, जिसमें मीट-मछली के बाजारों को शहर के बाहरी छोर पर व्यवस्थित करने का निर्णय सबसे प्रमुख रहा।

नगर आयुक्त हिमांशु नागपाल ने सदन को बताया कि इस योजना के प्रथम चरण में पांच स्थानों का चयन किया जा चुका है। ये सभी स्थान शहर की बाहरी सीमाओं के करीब स्थित हैं, जिससे आम जनता को कोई असुविधा न हो। आगामी दिनों में शहर के भीतर संचालित मीट-मछली की दुकानों को रामनगर, सूजाबाद, गणेशपुर, अवलेशपुर और शिवपुर क्षेत्रों में स्थानांतरित किया जाएगा। सदन में पार्षद गुलशन अली ने यह मामला उठाते हुए कहा कि करीब एक वर्ष पूर्व मीट-मांस और मछली की दुकानों को शहर से बाहर स्थानांतरित करने का प्रस्ताव लाया गया था, लेकिन उस पर अब तक प्रभावी अमल नहीं हो सका है। इस पर नगर आयुक्त ने आश्वस्त किया कि शहर की बाहरी सीमा में जगह चिह्नित कर ली गई है और जल्द ही इस प्रस्ताव को धरातल पर उतारने की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी।

सदन की बैठक में भाजपा पार्षद दल के उपनेता सुरेश कुमार चौरसिया ने जलकल परिसर में सेटलिंग टैंक की सफाई के दौरान निकाली गई करीब 40 हजार घन मीटर मिट्टी की बिक्री अब तक न हो पाने पर गहरी चिंता जताई। वहीं, पार्षद अशोक कुमार मौर्य ने शहर में स्थित अवशेष मल्टी स्टोरी बिल्डिंग और फ्लैट्स को गृहकर के दायरे में लाने का सुझाव दिया ताकि निगम की आय बढ़ सके। काशी की धरोहर और संपत्तियों के संरक्षण को लेकर भी सदन गंभीर नजर आया। भेलूपुर में बनने वाले काशी इंटरप्रिटेशन सेंटर और कम्युनिटी पार्क के संबंध में नगर आयुक्त ने सदन को विश्वास दिलाया कि वहां मौजूद जलकल के पुराने भवन को ध्वस्त नहीं किया जाएगा। इतना ही नहीं जलकल के सेटलिंग टैंक, पेयजल आपूर्ति की पाइप लाइन या किसी अन्य तकनीकी प्रणाली से कोई छेड़छाड़ नहीं होगी। यह पार्क सोलर पैनल वाले खाली स्थान पर विकसित किया जा रहा है। इसके साथ ही, शिवपुर में फुटकर फल मंडी विकसित करने का भी प्रस्ताव है, जिसमें फल व्यवसायियों के लिए करीब 500 दुकानें प्रस्तावित की गई हैं। बैठक के दौरान पार्षद बृजेश चंद्र श्रीवास्तव ने बंजर व नजूल की जमीनों पर अवैध कब्जे और पट्टा अवधि समाप्त हो चुकी जमीनों को खाली कराने की मांग की।

सदन में पार्षद इन्द्रेश कुमार ने घुघरानी गली की जांच रिपोर्ट, पार्षद राजकुमार चौधरी ने कुओं की सफाई और पार्षद सीमा वर्मा ने शौचालय बनवाने जैसे जनहित के मुद्दे भी प्रमुखता से रखे। अधिवेशन की शुरूआत पार्षद अनिल सोनकर के प्रस्ताव से हुई, जिन्होंने आरोप लगाया कि सामान्य विभाग और जलकल विभाग द्वारा कराए जा रहे कार्यों की जानकारी क्षेत्रिय पार्षदों को नहीं दी जाती।

संपूर्ण समाधान दिवस में प्राप्त 1063 शिकायतों में 94 का मौके पर निस्तारण

अयोध्या।
जिले की तहसील सोहावल में जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी की अध्यक्षता में शनिवार को संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. गौरव ग्रोवर भी उपस्थित रहे। जिले भर से 1063 शिकायतें प्राप्त हुई, जिसमें 94 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण किया गया।
समाधान दिवस में राजस्व, पुलिस, विकास, विद्युत, जलापूर्ति, पेंशन, आवास सहित विभिन्न विभागों से संबंधित शिकायतों की सुनवाई की गई। जिलाधिकारी ने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप प्रत्येक शिकायत का पारदर्शी, गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए तथा शिकायतकर्ता की संतुष्टि सर्वोच्च प्राथमिकता हो।
उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिन मामलों का निस्तारण मौके पर संभव है, उन्हें तत्काल निपटाया जाए तथा शेष प्रकरणों में निर्धारित समयसीमा के भीतर कार्रवाई करते हुए आख्या प्रस्तुत की जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि जनसमस्याओं के निस्तारण में किसी भी प्रकार की लापरवाही अथवा अनावश्यक विलंब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।
संपूर्ण समाधान दिवस के दौरान जिले की सभी तहसीलों में कुल 1063 शिकायतें प्राप्त हुई, जिनमें से 94 शिकायतों का मौके पर निस्तारण किया गया। तहसील सोहावल में 243 शिकायतों में से 31, बीकापुर में 130 में से 10, मिल्कीपुर में 282 में से 16, रुदौली में 217 में से 17 तथा सदर तहसील में 191 में से 20 शिकायतों का त्वरित निस्तारण किया गया। संपूर्ण समाधान दिवस जैसे महत्वपूर्ण आयोजन में बिना पूर्व सूचना अनुपस्थित रहने पर जिलाधिकारी ने जिला खाद्य विपणन अधिकारी धनंजय सिंह का माह जून का वेतन रोकते हुए स्पष्टीकरण तलब किया। वहीं जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ. पवन तिवारी एवं अधिशासी अभियंता, प्रांतीय खंड एस.पी. भारती के विलंब से उपस्थित होने पर उनसे भी स्पष्टीकरण मांगा गया।
सीमांकन संबंधी धारा-24 की पत्रावलियों में समय से पैमाइश न करने के कारण राजस्व निरीक्षक मसौधा ध्रुवराज यादव पर कार्रवाई करते हुए उनका माह जून का वेतन अवरुद्ध करने के निर्देश दिए गए। इसी प्रकार ग्राम देवराकोट निवासी अनुराग पांडे द्वारा नाम सुधार संबंधी प्रकरण में लेखपाल द्वारा आवश्यक कार्रवाई न किए जाने की शिकायत पर लेखपाल रजनीश के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए उनका माह जून का वेतन अवरुद्ध किया गया तथा प्रकरण का तत्काल निस्तारण सुनिश्चित कराया गया। प्रथम दृष्टया लापरवाही पाए जाने पर लेखपाल बृजेश कुमार सिंह को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया। इसी प्रकार तहसील मिल्कीपुर के क्षेत्र चिरौली के लेखपाल अंकित कुमार द्वारा वरासत आख्या में लापरवाही बरतने पर स्पष्टीकरण जारी किया गया।

प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक परीक्षा 2026 की प्रोविजनल उत्तरकुंजी जारी

अभ्यर्थी 12 जून तक दर्ज करा सकते हैं आपत्तियां : डॉ. प्रशांत कुमार

प्रयागराज/लखनऊ।
उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग द्वारा आयोजित प्रशिक्षित स्नातक (टीजीटी) भर्ती परीक्षा (विज्ञापन संख्या-01/2022) के अंतर्गत 03 एवं 04 जून 2026 को सम्पन्न लिखित परीक्षा के सभी 15 विषयों की मास्टर सेट की प्रोविजनल उत्तरकुंजी आयोग की पर प्रकाशित कर दी गई है।
आयोग के अध्यक्ष डॉ. प्रशांत कुमार ने बताया कि अंग्रेजी, हिन्दी, गणित, सामाजिक विज्ञान, संस्कृत, शारीरिक शिक्षा, वाणिज्य, गृह विज्ञान, कला, विज्ञान, संगीत गायन, कृषि, जीव विज्ञान, उर्दू तथा संगीत वादन सहित सभी विषयों की उत्तरकुंजी अभ्यर्थियों के अवलोकन करने के लिए उपलब्ध करा दी गई है। उन्होंने बताया कि अभ्यर्थी आयोग के ऑनलाइन पोर्टल पर अपने अनुक्रमांक एवं जन्मतिथि के माध्यम से लॉगिन कर संबंधित मास्टर सेट की प्रोविजनल उत्तरकुंजी का अवलोकन कर सकते हैं तथा अपने प्रश्नपत्र का मिलान कर सकते हैं। यदि किसी प्रश्न अथवा उत्तर के संबंध में कोई आपत्ति हो तो अभ्यर्थी निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार ऑनलाइन माध्यम से अपनी आपत्ति दर्ज करा सकते हैं।
डॉ. प्रशांत कुमार ने बताया कि 06 से 12 जून 2026 की रात्रि 12 बजे तक आपत्तियां ऑनलाइन दर्ज की जा सकेंगी। आपत्तियों के निस्तारण के लिए विस्तृत दिशा-निर्देश आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध करा दिए गए हैं। निर्धारित अवधि के बाद प्राप्त किसी भी आपत्ति पर विचार नहीं किया जाएगा। उन्होंने अभ्यर्थियों को कहा है कि वे केवल आयोग द्वारा उपलब्ध कराए गए ऑनलाइन लिंक के माध्यम से ही अपनी आपत्तियां प्रस्तुत करें।
ई-मेल, डाक अथवा किसी अन्य माध्यम से प्राप्त आपत्तियों को स्वीकार नहीं किया जाएगा। सभी प्राप्त आपत्तियों का विषय विशेषज्ञों द्वारा परीक्षण कर अंतिम उत्तरकुंजी तैयार की जाएगी।

करोड़ों रुपये मूल्य की नजूल भूमि को जिला प्रशासन ने कराया अतिक्रमण मुक्त

अयोध्या।
जिला प्रशासन ने शनिवार को सरकारी भूमि पर अवैध कब्जों के विरुद्ध बड़ी कार्रवाई करते हुए करोड़ों रुपये मूल्य की नजूल भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया है। अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) अमित कुमार भट्ट ने बताया कि नजूल भूमि गाटा संख्या-4108 मि०, क्षेत्रफल 0.7380 हेक्टेयर (लगभग 79,180 वर्गफुट) पूर्व में पट्टे पर दी

गई थी, जिसकी अवधि काफी समय पूर्व समाप्त हो चुकी है। वर्तमान में उक्त भूमि राज्य सरकार के स्वामित्व वाली नजूल भूमि है।
उन्होंने बताया कि भूमि के एक हिस्से पर स्थित पुराने भवन को पूर्व पट्टेदार राजकृष्ण मनूचा के वारिसानों द्वारा विद्युत विभाग को किराये पर दिया गया था। हालांकि विद्युत विभाग का अधिकांश कार्यालय अन्यत्र स्थानांतरित हो चुका है और वर्तमान में केवल एक कक्ष में बिलिंग संबंधी कार्य संचालित हो रहा है। जांच में पाया गया कि उक्त सरकारी भूमि पर लगभग एक दर्जन व्यक्तियों द्वारा लकड़ी एवं लोहे की गुमटियां रखकर अवैध रूप से कारखाने, दुकानें, रेस्टोरेंट, मोटर धुलाई केंद्र तथा व्यवसायिक बसों के बुकिंग सेंटर संचालित किए जा रहे थे। इन प्रतिष्ठानों से किराया पूर्व पट्टेदार के वारिसानों द्वारा वसूला जा रहा था।
अपर जिलाधिकारी ने बताया कि विगत माह सम्बंधित वारिसानों को पट्टे सम्बंधित वैध अभिलेख एवं साक्ष्य प्रस्तुत करने के लिए नोटिस दिया गया था, लेकिन उनके द्वारा कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किया गया। इसके उपरांत राजस्व विभाग एवं नगर निगम के प्रवर्तन दल द्वारा संयुक्त अभियान चलाकर अवैध रूप से संचालित सभी दुकानें, गुमटियां, रेस्टोरेंट, कारखाने, मोटर धुलाई केंद्र तथा बस बुकिंग सेंटर हटवा दिए गए। साथ ही परिसर में बने भवन को सील कर दिया गया है।

नाबालिग से दुष्कर्म के दोषी को आजीवन कारावास

फिरोजाबाद।
उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद जिला न्यायालय ने शनिवार को नाबालिग से दुष्कर्म के दोषी को आजीवन कारावास तथा छेड़छाड़ के दोषी को पांच वर्ष के कारावास की सजा सुनाई है। न्यायालय ने उन पर अर्थदंड लगाया। अर्थदंड न देने पर उसे अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी।
थाना नगला खंगर के नगला गुलाल निवासी गुरवेंद्र उर्फ गोविंद गांव की एक किशोरी को 15 जून 2022 को तमंचे के बल पर भगा ले गया। दूसरी मोटर साइकिल पर गांव का ही भूरा भी अपने रिश्तेदार के साथ गया। किशोरी के पिता ने थाने में मुकदमा दर्ज कराया। गुरवेंद्र ने मोटरसाइकिल पर किशोरी के साथ छेड़छाड़ की। वह लोग किशोरी को आगरा ले गए। भूरा ने किशोरी के साथ कई बार दुष्कर्म किया। पुलिस ने किशोरी को बरामद कर लिया।
इसके बाद 24 नवम्बर 2022 को पुनः भूरा नाबलिग को तमंचे के बल पर अगवा कर ले गया और दुष्कर्म किया। पुलिस ने पुनः मुकदमा दर्ज किया।
पुलिस ने विवेचना के बाद दोनों मुकदमों में न्यायालय में आरोप पत्र दाखिल किया। मुकदमा अपर सत्र न्यायधीश, विशेष न्यायाधीश पाक्सो कोर्ट संख्या एक करुणा सिंह की अदालत में चला। अभियोजन पक्ष से मुकदमे की पैरवी विशेष लोक अभियोजक संजीव शर्मा ने की। मुकदमे के दौरान कई गवाहों ने गवाही दी। कई साक्ष्य न्यायालय में पेश किए गए।

पुरानी रंजिश में किसान की पीट-पीटकर हत्या, आरोपितों की तलाश में पुलिस

वाराणसी।
उत्तर प्रदेश में वाराणसी जिले के फूलपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत बरजी गांव में शनिवार दोपहर पुरानी रंजिश को लेकर हुई हिंसक मारपीट में 50 वर्षीय किसान भोथू यादव उर्फ ओम प्रकाश यादव की मौत हो गई। घटना के बाद क्षेत्र में तनाव का माहौल है। परिजनों ने हत्या का आरोप लगाया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए टीमों का गठन किया है ।
पुलिस उपायुक्त, गोमती जोन कार्यालय के अनुसार, ग्राम बरजी निवासी भोथू यादव उर्फ ओम प्रकाश यादव के साथ गांव के ही अनीश यादव तथा कुछ अन्य लोगों ने पुरानी रंजिश के चलते लाठी-डंडों से मारपीट की। गंभीर रूप से घायल किसान को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पिंडरा ले जाया गया, जहां से हालत नाजुक देखते हुए चिकित्सकों ने उन्हें पं. दीनदयाल उपाध्याय चिकित्सालय रेफर कर दिया। बाद में उन्हें ट्रॉमा सेंटर, बीएचयू भेजा गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें अस्पताल पहुंचने से पहले ही मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद ग्रामीणों के बीच यह चर्चा भी रही कि हमलावरों ने किसान के पैर में गोली मारी थी। हालांकि पुलिस ने प्रथम दृष्टया गोली चलने की सूचना की पुष्टि नहीं की है।

होटल कर्मचारियों ने चाचा-भतीजे पर तलवार-फरसे से किया हमला,भतीजे की मौत

झांसी ।
उत्तर प्रदेश के झांसी जिले में सीपरी बाजार थाना क्षेत्र में शुक्रवार की देर रात होटल में काम करने वाले तीन सगे भाइयों और उनके साथियों ने चाचा-भतीजे पर तलवार और फरसे से हमला कर दिया। इस हमले में भतीजे गौरीशंकर कुशवाहा (45) की इलाज के दौरान मौत हो गई, जबकि उनके चाचा मुरारीलाल कुशवाहा (65) गंभीर हालत में मेडिकल कॉलेज में भर्ती हैं और उनका इलाज जारी है।
पुलिस के मुताबिक, गौरीशंकर अपने चाचा के साथ पावरहाउस से बिजली की समस्या की शिकायत करने गए थे। दोनों रात करीब 12 बजे घर लौट रहे थे, तभी पहले से घात लगाए बैठे आरोपितो ने उन पर हमला कर दिया।
हमलावरों ने पीछे से अचानक तलवार और फरसे से वार किए, जिससे दोनों सड़क पर लहूलुहान होकर गिर पड़े।
घटना के बाद चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग और परिजन मौके पर पहुंचे। गंभीर रूप से घायल दोनों को तुरंत मेडिकल कॉलेज ले जाया गया, जहां करीब चार घंटे तक चले इलाज के बाद गौरीशंकर ने दम तोड़ दिया।

धर्म छिपाककर पांच साल तक युवती से दुष्कर्म करने वाला आरोपित गिरफ्तार

गाजियाबाद।
उत्तर प्रदेश में गाजियाबाद जिले के थाना मुरादनगर क्षेत्र की एक कॉलोनी में रहने वाली युवती से धर्म छिपाकर दोस्ती और फिर दुष्कर्म करने वाले आरोपित को पुलिस ने शनिवार को गिरफ्तार कर लिया। आरोपित पांच साल से युवती के साथ दुष्कर्म करता आ रहा था।
युवती ने थाने में तहरीर दी थी कि एक युवक ने अपना नाम अज्जू बताकर पांच साल पहले दोस्ती की।

संघ का लक्ष्य भारतमाता को विश्व गुरु बनाना है : अनिल

उन्नाव।
राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) द्वारा आयोजित संघ शिक्षा वर्ग (सामान्य) का समापन समारोह शनिवार को उन्नाव में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित पूर्वी उत्तर प्रदेश क्षेत्र के सह क्षेत्र कार्यवाह अनिल ने स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए कहा कि संघ का मूल उद्देश्य व्यक्तित्व निर्माण के माध्यम से संगठित, सक्षम एवं राष्ट्रभक्त समाज का निर्माण करना है।
उन्होंने कहा कि संघ की शाखा पद्धति व्यक्ति निर्माण का एक प्रभावी माध्यम है, जिसके द्वारा समाज जागरण एवं व्यवस्था परिवर्तन का कार्य निरंतर चल रहा है।
अपने उद्बोधन में अनिल ने शिक्षा वर्ग के उद्देश्य और महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि संघ शिक्षा वर्ग त्याग, तपस्या, समर्पण और अनुशासन का प्रशिक्षण प्रदान करता है। यह केवल शारीरिक अथवा बौद्धिक प्रशिक्षण का कार्यक्रम नहीं, बल्कि स्वयंसेवकों के सर्वांगीण व्यक्तित्व विकास का माध्यम है। वर्ग में प्राप्त संस्कार स्वयंसेवकों को राष्ट्र एवं समाज के प्रति उत्तरदायित्व का बोध कराते हैं।
उन्होंने वर्तमान परिस्थितियों का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत आज भौतिक एवं आध्यात्मिक दोनों क्षेत्रों में निरंतर प्रगति कर रहा है। देश में अनेक विकास कार्य हो रहे हैं तथा विश्व पटल पर भारत की प्रतिष्ठा बढ़ रही है। इसके साथ ही उन्होंने चेताया कि समाज के समक्ष अनेक चुनौतियाँ भी उपस्थित हैं। विशेष रूप से युवाओं में राष्ट्रभावना का क्षय, जनसंख्या असंतुलन, अंधाधुंध पाश्चात्य अनुकरण, अत्यधिक भौतिकता तथा जीवन मूल्यों में गिरावट जैसी समस्याएँ समाज के लिए चिंता का विषय हैं।
पूर्वी उत्तर प्रदेश क्षेत्र के सह क्षेत्र कार्यवाह अनिल ने कहा कि आज आवश्यकता इस बात की है कि समाज राष्ट्र को सर्वोपरि मानकर अपने कर्तव्यों का पालन करे। उन्होंने कहा कि राष्ट्रभक्ति केवल भावनात्मक विषय नहीं है, बल्कि यह जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में दिखाई देने वाली आचरण की प्रक्रिया है। जब प्रत्येक नागरिक अपने कर्तव्यों का निष्ठापूर्वक पालन करेगा, तभी राष्ट्र सशक्त और समृद्ध बनेगा।
उन्होंने इन चुनौतियों के समाधान के रूप में संघ द्वारा प्रतिपादित पंच परिवर्तन की अवधारणा का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि परिवार प्रबोधन, पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक समरसता, स्वबोध तथा नागरिक कर्तव्यों के प्रति जागरूकता जैसे विषय आज अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। यदि समाज इन क्षेत्रों में सकारात्मक परिवर्तन लाने का प्रयास करेगा तो राष्ट्र जीवन में व्यापक सुधार संभव होगा।
मुख्य वक्ता ने कहा कि भारतीय संस्कृति का मूल आधार विश्व कल्याण की भावना है। वसुधैव कुटुम्बकम्ह्न का संदेश देने वाली हमारी संस्कृति सम्पूर्ण मानवता के कल्याण का मार्ग दिखाती है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रभक्त एवं संस्कारित समाज ही विश्व के समक्ष आदर्श प्रस्तुत कर सकता है।

दुष्कर्म के विरोध पर जिंदा जलाने का आरोप, चाचा एवं चाची गिरफ्तार

प्रयागराज।
उत्तर प्रदेश के प्रयागराज जिले में स्थित शिवकुटी थाना क्षेत्र में 14 वर्षीय किशोरी को मिट्टी का तेल छिड़ककर आग लगाने के सनसनीखेज मामले में पुलिस ने आरोपित चाचा और चाची को शनिवार देर रात गिरफ्तार किया। दोनों को देर रात उस समय पकड़ा गया जब वे फरार होने की कोशिश कर रहे थे। पुलिस ने दोनों को न्यायालय में पेश कर आगे की विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है।
पुलिस के अनुसार, घटना 29 मई की है। गंभीर रूप से झुलसी किशोरी को उपचार के लिए स्वरूपरानी नेहरू (एसआरएन) अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पांच दिन बाद पीड़िता होश में आने

के बाद खुलासा हुआ कि उसे जबरन जलाकर मारने की कोशिश की गई, उससे मामला और गंभीर हो गया। किशोरी ने आरोप लगाया कि उसका चाचा उसके साथ अश्लील हरकतें करता था और गलत तरीके से छूता था। विरोध करने पर चाचा और चाची ने मिलकर उस पर मिट्टी का तेल छिड़ककर आग लगा दी।
पीड़िता के माता-पिता का पहले ही निधन हो चुका है। मां की वर्ष 2015 और पिता की वर्ष 2024 में मृत्यु के बाद वह अपने चाचा-चाची के साथ रह रही थी। पीड़िता के भाई ने बताया कि घटना वाले दिन चाची का फोन आया और बताया गया कि उसकी बहन ने खुद को आग लगा ली है। जब वह मौके पर पहुंचा तो बहन का चेहरा, सीना और हाथ बुरी तरह झुलस चुके थे। इसके बाद उसे एसआरएन अस्पताल में भर्ती कराया गया।
भाई ने बताया कि अस्पताल में हालत में सुधार होने पर बहन ने बताया कि चाचा लंबे समय से उसे प्रताड़ित करता था। विरोध करने पर मारपीट करता और कई बार भूखा भी रखता था। जब उसने यह बात चाची को बताई तो उन्होंने भी उसका साथ देने के बजाय चुप रहने का दबाव बनाया।
पीड़िता के बयान के आधार पर भाई ने पुलिस को तहरीर दी, जिसके बाद पुलिस ने चाचा, चाची, नाना समेत चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपित दंपति को गिरफ्तार कर लिया।

राप्ती नदी में डूबे दो युवकों के शव बरामद

गोरखपुर।
उत्तर प्रदेश में गोरखपुर जिले के पीपीगंज थाना क्षेत्र स्थित करतहरी घाट पर शनिवार को राप्ती नदी में नहाने गए सात युवकों में से दो युवक नदी की गहराई और तेज बहाव की चपेट में आकर डूब गए। गोताखोरों की टीम मौके पर पहुंची और काफी प्रयास के बाद शवों को बरामद कर लिया।
ग्राम जगदीशपुर गाही निवासी सात युवक शनिवार को राप्ती नदी के करतहरी घाट पर घूमने और स्नान करने पहुंचे थे। सभी युवक नदी में नहाते हुए मोबाइल फोन से वीडियो और रील बनाने लगे। इसी दौरान दो युवक नदी के उस हिस्से में पहुंच गए जहां पानी अपेक्षाकृत अधिक गहरा था और बहाव भी तेज था। अचानक संतुलन बिगड़ने से दोनों युवक गहरे पानी में चले गए और डूबने लगे।
साथ मौजूद युवकों ने शोर मचाते हुए उन्हें बचाने का प्रयास किया, लेकिन तेज बहाव के कारण वे सफल नहीं हो सके। कुछ ही क्षणों में दोनों युवक नदी में लापता हो गए। घटना की सूचना मिलते ही आसपास के ग्रामीण बड़ी संख्या में घाट पर पहुंच गए। वहीं पीपीगंज थाना पुलिस भी तत्काल मौके पर पहुंचकर राहत एवं बचाव कार्य में जुट गई।
पुलिस ने स्थानीय गोताखोरों और पीएसी की 26वीं वाहिनी के प्रशिक्षित गोताखोरों की सहायता से नदी में तलाश अभियान शुरू कराया।

कुशीनगरः सड़क हादसे के बाद बढ़ा विवाद, पुलिस-ग्रामीण टकराव और वायरल वीडियो ने खड़े किए कई सवाल

कुशीनगर।
उत्तर प्रदेश में कुशीनगर जिले के कुबेरस्थान थाना क्षेत्र के जंगल पचरुखिया गांव में एक सड़क हादसे के बाद शुरू हुआ विवाद अब पुलिस और ग्रामीणों के बीच टकराव का रूप ले चुका है। मामले से जुड़े दो वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस की कार्रवाई पर सवाल उठने लगे हैं। ग्रामीणों ने पुलिस पर गंभीर आरोप लगाए हैं, जबकि पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है।
ग्रामीणों के अनुसार 22 मई को मोरंग लदे एक ट्रक ने सड़क किनारे खड़े संदीप मद्धेशिया को कुचल दिया था। हादसे में संदीप गंभीर रूप

से घायल हो गए थे, जिन्हें उपचार के लिए गोरखपुर भेजा गया था। करीब दस दिन तक चले इलाज के बाद एक जून को उनकी मौत हो गई। घटना के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने ट्रक को रोक लिया और उस पर पथराव किया। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने ट्रक को अपने कब्जे में लेकर थाना परिसर में खड़ा करा दिया था।
घटना के बाद अब दो वीडियो सामने आए हैं। पहले वीडियो में गांव पहुंचे पुलिसकर्मियों और ग्रामीणों के बीच तीखी बहस और धक्का-मुक्की जैसी स्थिति दिखाई दे रही है। वीडियो में कुछ लोग पुलिस पर महिलाओं के साथ अभद्र व्यवहार और अपशब्दों के प्रयोग का आरोप लगाते सुनाई दे रहे हैं।
दूसरे वीडियो को लेकर ग्रामीणों ने और गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका दावा है कि वीडियो में वही ट्रक दिखाई दे रहा है जो हादसे के बाद पुलिस अभिरक्षा में था। वीडियो में कुछ लोग ट्रैक्टर-ट्रॉली के माध्यम से ट्रक से मोरंग उतारते नजर आ रहे हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि बाद में इस मोरंग को निजी स्तर पर बेच दिया गया। हालांकि इस आरोप की अब तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हो सकी है।
ग्रामीणों का कहना है कि पुलिस ने मामले में दो लोगों को शांति भंग की आशंका के तहत धारा 151 के अंतर्गत गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। इसके बाद गांव में नाराजगी बढ़ गई। आरोप है कि पुलिस गांव पहुंचकर कुछ लोगों को हिरासत में लेने लगी, जिसका ग्रामीणों ने विरोध किया और स्थिति तनावपूर्ण हो गई।
कुबेरस्थान थानाध्यक्ष हर्षवर्धन सिंह ने पुलिस और ग्रामीणों के बीच विवाद होने की पुष्टि की है। हालांकि उन्होंने जब्त ट्रक से मोरंग उतरवाने और उसके कथित निस्तारण संबंधी आरोपों की जानकारी होने से इनकार किया। उनका कहना है कि मामले से जुड़े तथ्यों की जांच की जा रही है।

कई सवालों के जवाब बाकी
पूरे घटनाक्रम ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। यदि ट्रक पुलिस अभिरक्षा में था तो उससे मोरंग किसके निर्देश पर उतरवाई गई? क्या जब्त वाहन और उसमें मौजूद सामग्री का विधिवत रिकॉर्ड तैयार किया गया था? पथराव की घटना में क्या कार्रवाई हुई और पुलिस तथा ग्रामीणों के बीच विवाद की स्थिति आखिर क्यों बनी,फिलहाल इन सभी सवालों के जवाब जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेंगे। लेकिन वायरल वीडियो और ग्रामीणों के आरोपों ने कुबेरस्थान पुलिस की कार्यप्रणाली को लेकर क्षेत्र में नई चर्चा और बहस जरूर छेड़ दी है।

हफ्तेभर बाजार में हाहाकार, सेंसेक्स-निफ्टी की चाल ने बढ़ाई निवेशकों की धड़कनें

वैश्विक तनाव, एफआईआई बिकवाली और आरबीआई के फैसलों के बीच शेयर बाजार में जबरदस्त उठापटक

मुंबई ।

घरेलू शेयर बाजार के लिए बीता सप्ताह बेहद अस्थिर और चुनौतीपूर्ण रहा। सप्ताहभर सेंसेक्स और निफ्टी में तेज उतार-चढ़ाव देखने को मिला। कभी खरीदारी ने बाजार को संभाला तो कभी वैश्विक चिंताओं और विदेशी निवेशकों की बिकवाली ने निवेशकों का मूड बिगाड़ दिया। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव, अमेरिका-ईरान वार्ता को लेकर अनिश्चितता और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक ने बाजार की दिशा पर गहरा असर डाला। सप्ताह की शुरुआत सकारात्मक रही। सोमवार को सेंसेक्स 74,981 अंक तक पहुंच गया था और निफ्टी 23,600 के पार निकल गया था। लेकिन यह तेजी ज्यादा देर नहीं टिक सकी। कारोबार के दौरान भारी मुनाफावसूली देखने को मिली और सेंसेक्स 508 अंकों की गिरावट के साथ 74,267 अंक पर बंद हुआ। दिनभर में 1,164 अंकों का उतार-चढ़ाव निवेशकों की बेचैनी को दर्शाता रहा। मंगलवार को बाजार ने मजबूत वापसी की। शुरुआती दबाव के बावजूद निचले स्तरों पर खरीदारी बढ़ी और सेंसेक्स 382 अंकों की छलांग लगाकर 74,649 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी भी 23,483 अंक तक पहुंचने में सफल रहा। आईटी और चुनिंदा बड़े शेयरों में खरीदारी ने बाजार को सहारा दिया। हालांकि बुधवार को फिर माहौल बदल गया। अमेरिका-ईरान वार्ता को लेकर बढ़ी अनिश्चितता और कमजोर वैश्विक संकेतों ने बाजार पर दबाव बनाया। सेंसेक्स कारोबार के दौरान 700 अंकों से अधिक टूट गया और अंततः 304 अंकों की गिरावट के साथ बंद हुआ। गुरुवार को भी बाजार में भारी अस्थिरता रही। सेंसेक्स 74,544 के उच्च स्तर और 73,807 के निचले स्तर के बीच झूलता रहा। अंत में यह मामूली बढ़त के साथ बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन निवेशकों की नजर आरबीआई की मौद्रिक नीति पर रही। शुरुआती तेजी के बावजूद बाजार में मुनाफावसूली हावी हो गई और सेंसेक्स 116 अंक गिरकर 74,243.34 पर बंद हुआ। निफ्टी भी 23,366.70 के स्तर पर आ गया। बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि आने वाले सप्ताह में वैश्विक भू-राजनीतिक घटनाक्रम, विदेशी संस्थागत निवेशकों की गतिविधियां और ब्याज दरों से जुड़े संकेत बाजार की चाल तय करेंगे। फिलहाल निवेशकों को सतर्क रहकर गुणवत्ता वाले शेयरों पर फोकस करने की सलाह दी जा रही है।

एसबीआई ने अडानी की दो कंपनियों में 5747 करोड़ की हिस्सेदारी खरीदी

नई दिल्ली ।

देश के प्रमुख सरकारी बैंक भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की सहयोगी कंपनी एसबीआई म्यूचुअल फंड ने खुले बाजार में हुए लेनदेन के जरिये अडानी एंटरप्राइजेज और अडानी एनर्जी सॉल्यूशंस में कुल 5,747.55 करोड़ रुपये की हिस्सेदारी खरीदी है। यह हिस्सेदारी अमेरिकी निवेश फर्म जीक्यूजी पार्टनर्स से खरीदी गई है। एनएसई पर उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार एसबीआई म्यूचुअल फंड ने अडानी एंटरप्राइजेज के 1,64,39,984 शेयर खरीदे, जो कंपनी की लगभग 1.3 फीसदी हिस्सेदारी के बराबर हैं। इसके अलावा फंड ने अडानी एनर्जी सॉल्यूशंस के 63,65,796 शेयर भी खरीदे, जो कंपनी की करीब 0.52 फीसदी हिस्सेदारी का प्रतिनिधित्व करते हैं। इन शेयरों की खरीद 1,504.80 रुपये से 2,913.40 रुपये प्रति शेयर के दायरे में की गई। दोनों सौदों का कुल मूल्य 5,747.55 करोड़ रुपये रहा। एसबीआई म्यूचुअल फंड की ओर से कंपनी में हिस्सेदारी खरीदने के बाद अडानी इंटरप्राइजेज के शेयरों में तेल उछाल दिखने लगा है। शुक्रवार को स्टॉक एक्सचेंज पर कंपनी के शेयर 2.36 फीसदी उछाल के साथ 3,043 रुपये के भाव पर बंद हुए। इसी तरह, अडानी एनर्जी सॉल्यूशंस के शेयरों में भी 3.87 फीसदी का उछाल दिखा और आखिरकार 1,578.80 रुपये के भाव पर बंद हुए हैं। म्यूचुअल फंड हाउस के दांव लगाने के बाद खुदरा निवेशकों के सेंटिमेंट में भी बदलाव आता दिखाई दे रहा है।

क्रूड 2 डॉलर फिसला तो बदल गए पेट्रोल-डीजल के भाव

कई शहरों में भाव बढ़े तो कहीं हुआ सस्ता

नई दिल्ली ।

वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में एक बार फिर से गिरावट आनी शुरू हो गई है। ब्रेंट क्रूड का भाव गिरकर 92 डॉलर प्रति बैरल के आसपास पहुंच गए हैं। इसका असर शनिवार सुबह सरकारी तेल कंपनियों की ओर से जारी पेट्रोल-डीजल की खुदरा कीमतों पर भी दिखाई दे रहा है। कई शहरों में शनिवार को तेल के खुदरा दाम नीचे आए हैं, जबकि कुछ जगहों पर इसकी कीमतों में उछाल दिख रहा है। हालांकि, सरकारी तेल कंपनियों ने दिल्ली-मुंबई जैसे देश के चारों महानगरों में पेट्रोल-डीजल के दाम नहीं बदले हैं। सरकारी तेल कंपनियों के अनुसार, गाजियाबाद में पेट्रोल 15 पैसे महंगा होकर 101.88 रुपये लीटर हो गया है तो डीजल 14 पैसे बढ़त के साथ 95.362 रुपये लीटर पहुंच गया है। नोएडा में पेट्रोल 46 पैसे सस्ता होकर 101.96 रुपये लीटर बिक रहा है तो डीजल 42 पैसे गिरावट के साथ 95.44 रुपये लीटर के भाव पहुंच गया है। बिहार की राजधानी पटना में पेट्रोल 17 पैसे महंगा होकर 113.54 रुपये लीटर हो गया तो डीजल 18 पैसे महंगा होकर 99.54 रुपये लीटर बिक रहा है। कच्चे तेल में बीते 24 घंटे में इसकी कीमतों में भी गिरावट दिख रही है। वैश्विक बाजार में ब्रेंट क्रूड का भाव करीब 2 डॉलर टूटकर 93.09 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया है। डब्ल्यूटीआई का भाव भी गिरा है और वैश्विक बाजार में अब 90.54 डॉलर प्रति बैरल के भाव चल रहा है। दिल्ली में पेट्रोल के भाव 102.12 रुपये और डीजल 95.20 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में

पेट्रोल 111.18 रुपये और डीजल 97.83 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 108.01 रुपये और डीजल 99.78 रुपये प्रति लीटर और कोलकाता में पेट्रोल 113.47 रुपये और डीजल 99.82 रुपये प्रति लीटर हैं।

एटीएम पर मंडराया कैश संकट, देशभर में नकदी निकासी सेवाएं प्रभावित होने का खतरा

-मार्च-अप्रैल में जरूरत से काफी कम नकदी मिली, ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों पर सबसे ज्यादा असर पड़ने की आशंका

नई दिल्ली ।

देश में डिजिटल भुगतान के बढ़ते चलन के बावजूद नकदी की जरूरत पूरी तरह खत्म नहीं हुई है। ऐसे में एटीएम में नकदी की कमी की खबर चिंता बढ़ाने वाली है। एटीएम उद्योग के संगठन कन्फेडरेशन ऑफ एटीएम इंडस्ट्री (कैटमी) ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द समाधान नहीं निकाला गया तो आने वाले महीनों में कई क्षेत्रों में एटीएम सेवाएं प्रभावित हो सकती हैं। संगठन ने इस संबंध में इंडियन बैंक्स एसोसिएशन (आईबीए) और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) को पत्र लिखकर तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। कैटमी के अनुसार देश के विभिन्न राज्यों में एटीएम संचालकों को बैंक शाखाओं और करेंसी चेस्ट से पर्याप्त नकदी नहीं मिल पा रही है।

बैंकिंग विशेषज्ञों ने कहा- आरबीआई के रेपो दर स्थिर रखने के फैसला संतुलित कदम

मुंबई ।

बैंकिंग क्षेत्र के जानकारों ने भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के रेपो दर को 5.25 प्रतिशत पर अपरिवर्तित रखने के निर्णय को संतुलित और विवेकपूर्ण कदम बताया है।

बैंकरों का कहना है कि यह निर्णय पश्चिम एशिया में जारी तनाव और ऊंची ऊर्जा कीमतों के बीच आर्थिक स्थिरता बनाए रखने की सोच को दर्शाता है।

भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के चेयरमैन एवं भारतीय बैंक संघ (आईबीए) के अध्यक्ष सीएस शेट्टी ने कहा कि विदेशी पूंजी को आकर्षित करने के लिए एफसीएनआर (बी) जमा, सरकारी प्रतिभूतियों, विदेशों से उधारी और इक्विटी निवेश से जुड़े जो उपाय घोषित किए गए हैं, वे समयोचित और व्यापक हैं। इन कदमों से पूंजी प्रवाह में वृद्धि होगी, बॉन्ड बाजारों का विस्तार होगा, नकदी में सुधार आएगा और रुपये को मजबूती मिलेगी। बैंकिंग विशेषज्ञों ने कहा कि इन कदमों से बाजार में नकदी में सुधार होगा और रुपये को मजबूती मिलेगी। इंडियन ओवरसीज बैंक के एक अधिकारी ने कहा कि हालांकि अर्थव्यवस्था जुझारूपन दिखा रही है और वित्त वर्ष 2026-27 के लिए 6.6 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान है। फिर भी पश्चिम एशिया में तनाव और ऊंची ऊर्जा कीमतों को देखते हुए सतर्क रुख अपनाना उचित है।

अमेरिका के रिटेल सेक्टर से भारतीय आईटी कंपनियों को राहत, पर खतरा बरकरार

एआई के बढ़ते इस्तेमाल से पारंपरिक आईटी सेवाओं की मांग पर बढ़ सकता है दबाव

नई दिल्ली ।

अमेरिका की बड़ी रिटेल कंपनियों का कारोबार सुधर रहा है और तकनीक पर खर्च भी बढ़ रहा है। इससे भारतीय आईटी कंपनियों को नए प्रोजेक्ट मिलने की उम्मीद बढ़ी है। हालांकि, तस्वीर पूरी तरह सकारात्मक नहीं है, क्योंकि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के बढ़ते इस्तेमाल से पारंपरिक आईटी सेवाओं की मांग पर दबाव भी बढ़ सकता है। अमेरिका में उपभोक्ताओं का खर्च मजबूत बना हुआ है। लोग अभी भी खरीदारी कर रहे हैं, खासकर ऑनलाइन और कम कीमत वाले उत्पादों पर। इसी वजह से कई बड़ी रिटेल कंपनियों की बिक्री और मुनाफे में सुधार देखने को मिला है। अधिकांश कंपनियों ने पूरे साल के लिए अपने अनुमान बरकरार रखे हैं या उन्हें बढ़ाया है। कॉस्टको, वॉलमार्ट और टारगेट जैसी कंपनियों ने तिमाही के दौरान मजबूत प्रदर्शन किया। ऑनलाइन बिक्री में तेजी और उपभोक्ताओं की लगातार खरीदारी ने इनके कारोबार को सहारा दिया। वहीं मैसीज और बेस्ट बाय जैसी कंपनियों में भी सुधार के संकेत मिले हैं। हालांकि कंपनियां अभी भी पूरी तरह निश्चिंत नहीं हैं। उन्हें चिंता है कि टैक्स रिफंड का फायदा धीरे-धीरे खत्म होगा, जबकि ऊंची ऊर्जा कीमतें और वैश्विक तनाव आगे कारोबार को प्रभावित कर सकते हैं। रिटेल कंपनियों की रणनीति में एक बड़ा बदलाव यह देखने को मिला है कि अब एआई सिर्फ प्रयोग या पायलट प्रोजेक्ट तक सीमित नहीं है। कंपनियां इसे सीधे अपने कारोबार में लागू कर रही हैं ताकि लागत कम हो, कर्मचारियों की उत्पादकता बढ़े और मुनाफा सुधरे। यानी

एआई अब खर्च बढ़ाने वाली तकनीक नहीं, बल्कि कमाई बढ़ाने और मार्जिन सुधारने का जरिया बनता जा रहा है।

यही बदलाव भारतीय आईटी कंपनियों के लिए चुनौती भी बन सकता है।

अब कई ऐसे काम, जो पहले बड़ी आईटी टीमों के जरिए किए जाते थे, एआई की मदद से तेजी और कम लागत में पूरे हो रहे हैं। इसका असर खासकर एप्लिकेशन सपोर्ट, टेस्टिंग, क्वालिटी एश्योरेंस, रिपोर्टिंग और मेंटेनेंस जैसी सेवाओं पर पड़ सकता है।

ये ऐसे क्षेत्र हैं जिनसे भारतीय आईटी कंपनियों को लंबे समय से बड़ा कारोबार मिलता रहा है। भारतीय आईटी कंपनियों के रिटेल और कंज्यूमर कारोबार में पिछले कुछ महीनों के दौरान सुधार देखने को मिला है।

100 अरब डॉलर के पार जा सकता है सकल एफडीआई- आरबीआई

जीडीपी के मुकाबले ऊपर की ओर बढ़ रहा है निवेश का अनुपात

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की डिप्टी गवर्नर पूनम गुप्ता ने कहा कि वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद चालू वित्त वर्ष 2027 में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) 100 अरब डॉलर से ज्यादा आने की उम्मीद है। इसके लिए उन्होंने मजबूत निवेश गतिविधियों को हवाला दिया। मौद्रिक नीति के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में गुप्ता ने कहा कि वित्त वर्ष 2026 में कुल एफडीआई 95 अरब डॉलर तक पहुंच गया था। इससे पता चलता है कि विदेशी पूंजी का आना मजबूत बना रहेगा और इस साल यह 100 अरब डॉलर के आंकड़े को पार कर सकती है। निजी पूंजी के आंकड़े असल में बहुत अच्छे रहे हैं। जीडीपी के मुकाबले निवेश का अनुपात ऊपर की ओर बढ़ रहा है। इसलिए ये आंकड़े अच्छे बने हुए हैं। अगर हम भुगतान संतुलन की बात करें, तो 2025-26 में सकल एफडीआई निवेश 95 अरब डॉलर था और इस साल यह आंकड़ा और भी ज्यादा हो सकता है। निश्चित रूप से यह 100 अरब डॉलर के पार और यहां तक कि 110 अरब डॉलर, 120 अरब डॉलर भी हो सकता है। यह एक निरंतर बढ़ोतरी है, जिसका मतलब है कि यह सिर्फ एक साल का मामला नहीं है। आने वाले वर्षों में एफडीआई के जरिये और ज्यादा निवेश देखने को मिलेगा। वित्त वर्ष 2026 में सकल एफडीआई आवक 17 फीसदी बढ़कर 95 अरब डॉलर रही। मार्च में एफडीआई प्रवाह 1.57 अरब डॉलर रहा, जो एक साल पहले दर्ज की गई 50.2 करोड़ डॉलर की निकासी के उलट था। लेकिन यह फरवरी के स्तर से कम था। सकल प्रवाह में मजबूती के बावजूद विदेशी निवेशकों के पैसा वापस ले जाने और भारतीय कंपनियों का विदेश में निवेश बढ़ने के कारण शुद्ध एफडीआई कमजोर बना हुआ है। बैंक ऑफ बड़ौदा के एक अर्थशास्त्री ने कहा कि सकल एफडीआई का आंकड़ा बहुत शानदार रहा है और हो सकता है कि इस साल यह 100 अरब डॉलर तक पहुंच जाए। अहम बात यह है कि वापस आने वाली रकम कितनी रहती है। एक तीसरा पहलू यह भी है कि भारतीय कंपनियों ने विदेश में अपना निवेश बढ़ाया है, चाहे अपनी सहायक कंपनियों में हो या फिर वहां दूसरी कंपनियों को खरीदने के लिए। इसलिए शुद्ध आंकड़ा जो बैलेंस ऑफ पेमेंट्स के नजरिये से सबसे जरूरी है, पिछले दो साल से 10 अरब डॉलर से भी कम रहा है, जो कि काफी कम है। पिछले पांच साल में भारत में एफडीआई का आना एक चक्र की तरह रहा है। वित्त वर्ष 2022 में तेजी से बढ़ने के बाद वित्त वर्ष 2023 में वैश्विक मंदी, ऊंची ब्याज दरों और भूराजनीतिक अनिश्चितता के कारण इसमें कमी आई।

मोबाइल रिचार्ज फिर हो सकता है महंगा

नई दिल्ली ।

मोबाइल उपभोक्ताओं को अगले 3 से 6 महीनों में रिचार्ज करना महंगा पड़ सकता है। एक टेलीकॉम एनालिस्ट के मुताबिक टैरिफ में करीब 10 फीसदी बढ़ोतरी हो सकती है। उन्होंने कहा कि महंगे प्लान्स की ओर ग्राहकों के बढ़ने से कंपनियों का एआरपीयू भी लगातार बढ़ रहा है, जबकि भारती एयरटेल की फंड जुटाने की संभावनाएं भी मजबूत दिख रही हैं। उनका कहना है कि महंगाई से जुड़ी चिंताओं के बावजूद टैरिफ बढ़ोतरी को ज्यादा समय तक टाला जाना मुश्किल दिख रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि टेलीकॉम कंपनियों को बहुत बड़ी टैरिफ बढ़ोतरी की जरूरत नहीं है। इसकी वजह यह है कि पिछले कुछ सालों में टैरिफ बढ़ने का असर एवरेज रेवेन्यू पर यूजर पर काफी पॉजिटिव रहा है। यानी कंपनियां सीमित टैरिफ बढ़ोतरी के जरिए भी अपनी प्रति ग्राहक कमाई में अच्छी बढ़ोतरी करने में सफल रही हैं।

अमेरिकी शेयर बाजार में घंटेभर में 190 लाख करोड़ हुए स्वाहा

डाउ जोंस इंडस्ट्रियल 1 फीसदी तो एसएंडपी 500 2.4 फीसदी की गिरावट दिखी पर बंद

वाशिंगटन ।

अमेरिकी शेयर बाजार में शुक्रवार को महज घंटेभर में ही 2 निवेशकों के 2 ट्रिलियन डॉलर यानी करीब 190 लाख करोड़ रुपये स्वाहा हो गए। वॉल स्ट्रीट पर यह साल 2026 की सबसे बड़ी गिरावट रही है।

ईरान-अमेरिका युद्ध के बीच आए अमेरिकी जॉब मार्केट के आंकड़ों ने निवेशकों पर ऐसा असर डाला कि दुनिया का सबसे बड़ा शेयर बाजार हिल गया और देखते ही देखते गिरावट ब्लडबाथ में बदल गई।

वॉल स्ट्रीट के तीनों ही एक्सचेंज डाउ जोंस, एसएंडपी 500 और नैस्डैक पर भारी बिकवाली हुई।

अमेरिकी जॉब मार्केट के आंकड़े अनुमान से भी ज्यादा मजबूत दिखे, जिसकी वजह से निवेशकों में यह संदेश दिखा कि फेडरल रिजर्व अपनी ब्याज दरों को आगे भी ऊंचा बनाए रखेगा। बस इस खबर ने निवेशकों के सेंटिमेंट पर ऐसा असर डाला कि उन्होंने ताबड़तोड़ बिकवाली शुरू कर दी और देखते ही देखते गिरावट ब्लडबाथ में बदल गई। कुछ ही समय में शेयर बाजार की गिरावट 2 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच गई। यह आंकड़ा पिछले कुछ समय से यूएस मार्केट में आई गिरावट में सबसे ज्यादा रही है। वॉल स्ट्रीट के तीनों ही बड़े इंडेक्स शुक्रवार के कारोबार में गिरावट पर बंद हुए। टेक्नोलॉजी के शेयरों में सबसे ज्यादा बिकवाली दिखी।

डाउ जोंस इंडस्ट्रियल 1 फीसदी गिरावट पर बंद हुआ तो एसएंडपी 500 पर भी 2.4 फीसदी की गिरावट दिखी।

इसके अलावा नैसडैक कम्पोजिट भी 4 फीसदी गिरावट के साथ बंद हुआ। बोर्डकॉम के शेयरों में तो 7 फीसदी की गिरावट दिखी है।

अमेरिकी शेयर बाजार में आई इस तेज गिरावट की एक ही वजह वहां के जॉब मार्केट का मजबूत होना है। शुक्रवार को आए जॉब मार्केट के आंकड़े अनुमान से भी ज्यादा मजबूत रहे।

इससे निवेशकों में यह संदेश गया कि फेडरल रिजर्व ब्याज दरों में फिलहाल कटौती नहीं करने वाला और रेट ऊंचा ही बना रहेगा। निवेशकों को यह भी लगा कि अब ब्याज दरों में कटौती की संभावना इस साल के आखिर में ही दिख रही है।

ब्रिटेन के विदेश सचिव ने समुद्री और आपूर्ति श्रृंखला सुरक्षा वार्ता की सराहना की

लंदन ।

ब्रिटेन के विदेश मंत्री येवेट कूपर की भारत यात्रा से समुद्री सुरक्षा, आर्थिक वृद्धि और वैश्विक आर्थिक झटकों से आपूर्ति श्रृंखलाओं को सुरक्षित रखने जैसे क्षेत्रों में द्विपक्षीय साझेदारी को मजबूती मिली है। ब्रिटेन सरकार ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। कूपर ने इस सप्ताह की शुरुआत में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और विदेश मंत्री एस जयशंकर से मुलाकात की थी। इस मुलाकात के बारे में ब्रिटेन के विदेश, राष्ट्रमंडल और विकास कार्यालय (एफसीडीओ) ने कहा कि यह मोदी और ब्रिटिश प्रधानमंत्री केअर स्टार्मर के बीच सहमत भारत-ब्रिटेन विजन 2035 के अनुसार गहन सहयोग के लिए रणनीतिक दिशा और दृष्टिकोण पर आधारित थी। वरिष्ठ कैबिनेट मंत्री ने होर्मुज जलडमरूमध्य पर मिलकर काम करने और इसके बंद होने से अंतरराष्ट्रीय जहाजरानी पर पड़ने वाले प्रभाव को कम करने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला है।एफसीडीओ ने कहा, 'इसी के तहत, विदेश मंत्री ने एक नए क्षेत्रीय समुद्री सुरक्षा उत्कृष्टता केंद्र (आरएमएससीई) का सह-उद्घाटन किया, जिससे समुद्री सुरक्षा और अंतरराष्ट्रीय झटकों से निपटने की क्षमता के मामले में भारत के साथ ब्रिटेन के सहयोग को मजबूती मिलेगी। महत्वपूर्ण खनिज भी भारत में कूपर की वार्ता का एक प्रमुख हिस्सा थे।

दुनिया तेजी से अमेरिकी डॉलर और यूरो पर कम कर रही है निर्भरता- पुतिन

रूस अपने प्रमुख व्यापारिक साझेदारों के साथ स्थानीय मुद्राओं में बढ़ा रहा है व्यापार

मास्को ।

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा कि दुनिया तेजी से अमेरिकी डॉलर और यूरो पर निर्भरता कम कर रही है। उन्होंने दावा किया कि प्रतिबंधों, संपत्तियों को फ्रीज करने और वित्तीय दबाव की वजह से कई देश अब अपनी राष्ट्रीय मुद्राओं में व्यापार को प्राथमिकता दे रहे हैं। सेंट पीटसबर्ग इंटरनेशनल इकानोमिक फोरम (एसपीआईईएफ) में बोलते हुए पुतिन ने कहा कि रूस के विदेशी मुद्रा भंडार और संपत्तियों को फ्रीज किए जाने से दुनिया के कई देशों का पश्चिमी वित्तीय प्रणाली पर भरोसा कमजोर हुआ है। उन्होंने कहा कि जब किसी देश की वैध संपत्तियों तक पहुंच रोकी जा सकती है, तो अन्य देश भी अपने वित्तीय भविष्य को लेकर चिंतित हो जाते हैं। इसी कारण वैकल्पिक भुगतान प्रणालियों और स्थानीय मुद्राओं का उपयोग बढ़ रहा है। पुतिन ने कहा कि रूस अपने प्रमुख व्यापारिक साझेदारों के साथ स्थानीय मुद्राओं में व्यापार बढ़ा रहा है। उनके अनुसार रूस के कुल निर्यात का लगभग 65 फीसदी लेन-देन अब रशियन रुबल में हो रहा है। डिजिटल वित्तीय परिसंपत्तियों और केंद्रीय बैंक डिजिटल करेंसी का उपयोग भी तेजी से बढ़ रहा है। पुतिन ने आरोप लगाया कि पश्चिमी देश अंतरराष्ट्रीय वित्तीय व्यवस्था का राजनीतिक हथियार के रूप में इस्तेमाल कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जब तक वैश्विक संस्थाओं और नियमों से पश्चिमी देशों को फायदा हुआ, तब तक उन्होंने उनका समर्थन किया, लेकिन प्रतिस्पर्धा बढ़ने पर वे खुद उन नियमों से पीछे हटने लगे। रूसी राष्ट्रपति ने कहा कि वैश्विक व्यापार का केंद्र अब पश्चिम से हटकर पूर्व और दक्षिण की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने जिन प्रमुख मार्गों का उल्लेख किया, उनमें शामिल हैं- नॉर्थ-साउथ ट्रांसपोर्ट कॉरिडोर, ट्रांस-आर्कटिक रूट, कैस्पियन सागर व्यापार मार्ग, मध्य एशिया और मध्य पूर्व को जोड़ने वाले नए कॉरिडोर।

हर दिन 1,897 करोड़ कमाते रहे अडानी, 1,352 करोड़ गंवाते रहे अंबानी

शेयर बाजार की चाल ने बदली अरबपतियों की तस्वीर, 2026 में दोनों दिग्गजों की राह अलग-अलग

मुंबई ।

देश के दो सबसे बड़े उद्योगपतियों गौतम अडानी और मुकेश अंबानी के लिए वर्ष 2026 अब तक बिल्कुल अलग तस्वीर लेकर आया है। जहां अडानी समूह के चेयरमैन गौतम अडानी की संपत्ति में रिकॉर्ड बढ़ोतरी दर्ज की गई है, वहीं रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी की नेटवर्थ में बड़ी गिरावट देखने को मिली है। ब्लूमबर्ग बिलियनेयर्स इंडेक्स के अनुसार 4 जून 2026 तक गौतम अडानी की कुल संपत्ति 115 अरब डॉलर पहुंच गई है। साल की शुरुआत से अब तक उनकी नेटवर्थ में 30.7 अरब डॉलर यानी करीब 2.90 लाख करोड़ रुपये का इजाफा हुआ है। यह उनकी कुल संपत्ति में लगभग 36.3 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाता है। इसी तेजी के दम पर अडानी दुनिया के 17वें सबसे अमीर व्यक्ति बन गए हैं। दूसरी ओर मुकेश अंबानी की कुल संपत्ति घटकर 85.8 अरब डॉलर रह गई है। वर्ष 2026 में अब तक उनकी नेटवर्थ में 21.9 अरब डॉलर यानी करीब 2.10 लाख करोड़ रुपये की कमी आई है। यह उनकी कुल संपत्ति में करीब 20.4 प्रतिशत की गिरावट के बराबर है। दिलचस्प बात यह है कि इस वर्ष के 155 दिनों में अडानी ने औसतन प्रतिदिन 1,897 करोड़ रुपये जोड़े, जबकि अंबानी की संपत्ति में रोजाना औसतन 1,352 करोड़ रुपये की कमी दर्ज की गई। विशेषज्ञों के अनुसार अडानी की संपत्ति में उछाल का प्रमुख कारण समूह की सूचीबद्ध कंपनियों के शेयरों में आई जोरदार तेजी है। अडानी एंटरप्राइजेज, अडानी पावर, अडानी टोटल गैस, अडानी एनर्जी सॉल्यूशंस, अडानी पोर्ट्स और अडानी ग्रीन एनर्जी जैसे शेयरों ने निवेशकों को मजबूत रिटर्न दिया है। जनवरी 2023 में हिंडनबर्ग रिपोर्ट के बाद समूह को भारी नुकसान झेलना पड़ा था, लेकिन पिछले दो वर्षों में शेयरों में शानदार रिकवरी ने अडानी की दौलत को नई ऊंचाइयों पर पहुंचा दिया है।

वहीं मुकेश अंबानी की संपत्ति का मुख्य आधार रिलायंस इंडस्ट्रीज और जियो फाइनेंशियल सर्विसेज में उनकी हिस्सेदारी है। इस साल रिलायंस के शेयरों में करीब 18 प्रतिशत और जियो फाइनेंशियल सर्विसेज में लगभग 20 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है।

इसका सीधा असर उनकी नेटवर्थ पर पड़ा है।

फ्रेंच ओपनः अन्ना कालिंस्काया को हराकर

पहली बार माजा च्वालिन्स्का ने सेमीफाइनल में जगह बनाई

पेरिस। पोलैंड की टेनिस स्टार माजा च्वालिन्स्का ने फ्रेंच ओपन में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा है। कोर्ट फिलिप-चैटियर में नंबर 22 सीड एअन्ना कालिंस्काया को 7-6(3), 6-3 से हराकर अपने पहले ग्रैंड स्लैम सेमीफाइनल में जगह बनाई। 24 साल की माजा पहली बार फाइनल में जगह बनाने के लिए वर्ल्ड नंबर 1 एरिना सबालेंका और नंबर 25 सीड डायना श्नाइडर के बीच होने वाले क्वार्टर फाइनल की विनर से होगा। कड़ी रैलियों और अहम मोमेंटम स्विंग वाले मुकाबले में, च्वालिंस्का ने अहम मौकों पर शानदार संयम दिखाया और अन्ना कालिंस्काया को हराकर आखिरी चार में अपनी जगह पक्की की।

पोलिश खिलाड़ी ने रिटर्न पर अपने मौकों का पूरा फायदा उठाया, आठ में से सात ब्रेक-पॉइंट चांस को शानदार तरीके से बदला, जबकि अन्ना कालिंस्काया ने 11 मौकों में से सिर्फ पांच को बदला। अन्ना कालिंस्काया ने मैच के सिर्फ दो एस मारे, लेकिन छह डबल फॉल्ट की वजह से उन्हें मुश्किल हुई, जिससे च्वालिंस्का पूरे मैच के दौरान स्ट्राइकिंग डिस्टेंस के अंदर रहीं।

पहला गेम हारकर मैच की शुरुआत करने वाली च्वालिंस्का ने लगातार ब्रेक हासिल करके 5-1 की बढ़त बना ली। हालांकि, कालिंस्काया ने लगातार चार गेम जीतकर वापसी की। सेट आखिरकार टाई-ब्रेक तक गया, जो काफी आसान था।

पहले सेट में काफी कड़ा मुकाबला होने के बाद, च्वालिंस्का अगले सेट में पूरी तरह हावी रहीं और वापसी का थोड़ा मौका गंवा दिया, क्योंकि उन्होंने लगातार दूसरा सेट 6-3 से जीतकर अगले राउंड में जगह बना ली।

श्नाइडर ने सबालेंका को चौंकाया, पहली बार सेमीफाइनल में पहुंचीं

रूस की 22 वर्षीय डायना श्नाइडर ने फ्रेंच ओपन के विमेंस सिंगल्स क्वार्टरफाइनल में 'वर्ल्ड नंबर 1' अर्यना सबालेंका को चौंका दिया। श्नाइडर ने एक सेट और दो ब्रेक से पिछड़ने के बावजूद आखिरी 10 गेम जीते और 2 घंटे 12 मिनट तक चले इस मैच में 3-6, 7-5, 6-0 से जीत दर्ज करते हुए पेरिस के स्टेड रोलैंड गैरोस में अपने पहले ग्रैंड स्लैम सेमीफाइनल में जगह बना ली। 25वीं सीड श्नाइडर ने जबरदस्त वापसी करते हुए सबालेंका को इस जीत के साथ ही उन्होंने नंबर 1 सीड सबालेंका के लगातार 6 बड़े सेमीफाइनल में पहुंचने के सिलसिले को भी तोड़ दिया। 22 वर्षीय श्नाइडर एक समय पूरी तरह से हारी हुई लग रही थीं, क्योंकि सबालेंका ने एक बड़ी बढ़त बनाकर अपनी जीत लगभग पक्की कर ली थी। लेकिन इस रूसी युवा खिलाड़ी ने यह साबित कर दिया कि जब तक मैच खत्म नहीं हो जाता, तब तक हार नहीं माननी चाहिए। उन्होंने एक शानदार वापसी की। दूसरे सेट में जब स्कोर 5-4 था और सबालेंका मैच जीतने के लिए सर्व कर रही थीं, तब वह जीत से सिर्फ दो प्वाइंट्स दूर थीं। ठीक उसी समय, बाएं हाथ से खेलने वाली श्नाइडर ने मैच का रुख पलटना शुरू कर दिया।

अपने पहले ग्रैंड स्लैम क्वार्टरफाइनल में खेल रहीं श्नाइडर पहली बार वर्ल्ड नंबर 1 खिलाड़ी का सामना कर रही थीं। जब कोर्ट फिलिप-चैट्रियर में तेज हवाएं चल रही थीं, तब भी उन्होंने हालात पर पूरी तरह से काबू पाया और इस बड़े मौके का शानदार फायदा उठाते हुए अपने पहले ग्रैंड स्लैम सेमीफाइनल में जगह बनाई।

6-3, 4-1 से पिछड़ने के बावजूद श्नाइडर ने अपने बाएं हाथ के फोरहैंड से लगातार विनर्स लगाते हुए अगले 13 में से 12 गेम जीत लिए। इसमें 5-3 के स्कोर के बाद लगातार जीते गए आखिरी 10 गेम भी शामिल हैं। इसके उलट, सबालेंका का अपने खेल पर से कंट्रोल हट गया और उन्होंने 57 अनफोर्स्ड एरर कर दिए, जिनमें से 17 तो सिर्फ निर्णायक सेट में हुए। ऐसा पहली बार था, जब उन्होंने 2024 दुबई के दूसरे राउंड में डोना वेकिच के खिलाफ तीसरे सेट के बाद से कोई सेट 6-0 से हारा था।

फुटबॉल वर्ल्ड कप हो जाएगा और रोमांचक

- **फीफा ने लिया बड़ा फैसला, हर हाफ के बीच में पानी पीने के लिए दिया जाएगा ब्रेक**

नई दिल्ली। फुटबॉल का खेल 90 मिनट का होता है और इसमें 45-45 मिनट को दो पीरियड होते हैं जिनके बीच 15 मिनट का ब्रेक होता है, लेकिन 2026 के फीफा वर्ल्ड कप में ये नियम बदल जाएगा। यही नहीं पहली बार हर मैच में हर हाफ के बीच में पानी पीने के लिए ब्रेक दिया जाएगा। ये ब्रेक पहले हाफ के 22वें मिनट में और दूसरे हाफ के 67वें मिनट में होंगे और मौसम कैसा भी हो ये ब्रेक जरूरी होंगे।

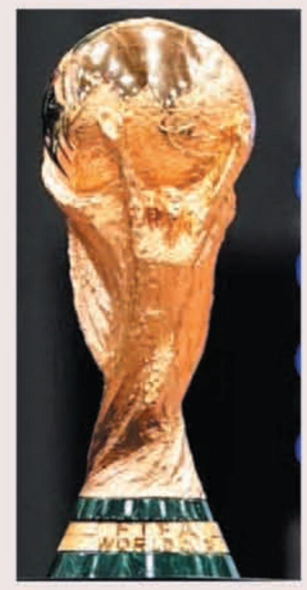

इस बार फीफा वर्ल्ड कप का आयोजन अमेरिका, मेक्सिको और कनाडा में किया जाएगा और यहां पर गर्मी होगी। गर्मी में होने वाले इस टूर्नामेंट को देखते हुए फीफा के लिए गर्मी से बचाव और खिलाड़ियों की सेहत का ध्यान रखना सबसे बड़ी चिंता बन गई है। ऐसे में फीफा ने एक जैसा नियम अपनाने का फैसला किया है जिसे हर मैच में लागू किया जाएगा। इन ब्रेक की वजह से इस गर्मी में फुटबॉल काफी हद तक हॉकी, बास्केटबॉलर और अमेरिकन फुटबॉल जैसा लगेगा।

खेल को व्यवस्थित करने के लिए उठाया कदम

फीफा द्वारा किए गए इस बदलाव के बाद से फुटबॉल असल में चार-क्वार्टर वाला खेल बन गया है। 45 मिनट तक बिना रुके खेलने के बजाय अब टीमों को हर हाफ के बीच में थोड़ा ब्रेक मिलेगा। हॉकी खिलाड़ी इस कॉन्सेप्ट से पहले से ही परिचित हैं। कोच क्वार्टर ब्रेक का इस्तेमाल प्रेसिंग पैटर्न बदलने, डिफेंसिव स्ट्रक्चर को फिर से व्यवस्थित करने और खेल की गति में आने वाले उतार-चढ़ाव को रोकने के लिए करते हैं।

वैभव को मौका श्रेयस कप्तान

आयरलैंड-इंग्लैंड दौरे के लिए इन खिलाड़ियों को भारतीय टी20 टीम में मिल सकती है जगह

नई दिल्ली। भारतीय टी20 क्रिकेट टीम आयरलैंड, इंग्लैंड दौरे पर जाने वाली है। टीम इंडिया आयरलैंड के खिलाफ जून में दो टी20 मैचों की सीरीज खेलेगी जबकि इंग्लैंड के खिलाफ जुलाई में 5 मैचों की सीरीज खेलेगी। अब शनिवार को अजीत अगरकर की अगुवाई वाली चयन समिति मुंबई में बैठक करेगी और आयरलैंड व इंग्लैंड दौरे साथ ही सितंबर में जापान में होने वाले 2026 एशियन गेम्स के लिए भारतीय टीम का चयन किया जाएगा। कई रिपोर्ट्स के मुताबिक सूर्यकुमार यादव की जगह श्रेयस अय्यर को भारतीय टी20 टीम का कप्तान बनाया जा सकता है जबकि तिलक वर्मा टीम के उप-कप्तान हो सकते हैं। चुकी सूर्यकुमार यादव की अब टी20 टीम से भी छुट्टी हो चुकी है ऐसे में टीम में मध्यक्रम में एक जगह खाली हो जाएगी जिससे श्रेयस अय्यर का रास्ता साफ हो जाएगा।

भारत की संभावित टी20 टीम

संजू सैमसन (विकेटकीपर), इशान किशन (विकेटकीपर), अभिषेक शर्मा, वैभव सूर्यवंशी, तिलक वर्मा, श्रेयस अय्यर, शिवम दुबे, नितीश कुमार रेड्डी/हार्दिक पंड्या, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, वरुण चक्रवर्ती, अर्शदीप सिंह, प्रिंस यादव, प्रसिद्ध कृष्णा, मोहम्मद सिराज/जसप्रीत बुमराह।

प्रिंस यादव को टीम में मिल सकती है जगह- उम्मीद ये की जा रही है कि साल 2026 में टी20 वर्ल्ड कप जीतने वाली भारतीय टीम के मुख्य खिलाड़ियों को बरकरार रखा जाएगा। हर्षित राणा अब तक फिट नहीं हुए हैं ऐसे में वो टीम में नहीं होंगे वहीं प्रिंस यादव को टीम में जगह दी सकती है।

विश्व विजेता कप्तान का ऐसा अंजाम

सूर्यकुमार यादव की T-20 से छुट्टी क्यों?

रोहित-कोहली-धोनी से बेहतर कप्तानी रिकॉर्ड

नई दिल्ली। सूर्यकुमार यादव ने मार्च 2026 में अपनी कप्तानी में भारत को टी20 विश्व कप जिताया। मगर लगातार उनका खराब बल्लेबाजी फॉर्म चर्चा का विषय बना रहा है। अब खबर आ गई है कि सूर्या की टी20 टीम से बतौर कप्तान और बतौर बल्लेबाज छुट्टी तय है। आखिर ऐसा क्या हुआ कि सूर्या के टी20 इंटरनेशनल में रोहित शर्मा, विराट कोहली और एमएस धोनी से अच्छे कप्तानी रिकॉर्ड होने के बावजूद, उनकी किस्मत ने इस तरह पल्टी मार ली। अब उनके करियर पर भी खतरा मंडराने लगा है।

कप्तानी में हिट बल्लेबाजी में फ्लॉप

दरअसल इसका सबसे बड़ा कारण रहा सूर्यकुमार यादव का व्यक्तिगत बल्लेबाजी फॉर्म। सूर्या का ग्राफ लगातार पिछले कुछ सालों में गिरा है। उन्होंने साल 2021 में टी20 फॉर्मेट से ही इंटरनेशनल डेब्यू किया था। पांच साल में इस खिलाड़ी ने वे सब कमा लिया जो एक क्रिकेटर जिंदगी भर कमाने के लिए तरसता है। उनका वनडे, टेस्ट डेब्यू भी हुआ। टी20 में कप्तान बने और फिर वर्ल्ड कप भी अपनी कप्तानी में जीता। मगर कप्तानी में हिट सूर्या, लगातार पिछले कुछ समय से बल्लेबाजी में फ्लॉप नजर आए। ऐसे में आगामी एशियाई खेल, 2028 ओलंपिक, 2028 टी20 वर्ल्ड कप को देखते हुए मैनेजमेंट ने भविष्य पर विचार किया है। वह फिट हैं जरूर लेकिन उनकी 35 साल की उम्र भी इसका सबसे बड़ा कारण रही।

सबसे कम हार का प्रतिशत है सूर्या का

सूर्यकुमार यादव ने 2024 से 2026 टी20 विश्व कप तक कुल 52 टी20 इंटरनेशनल में टीम इंडिया की कमान संभाली। उनकी कप्तानी में भारत ने 40 मुकाबले जीते और सिर्फ 8 गंवाए। जिसमें से दो टाई और दो बेनतीजा रहे। उनका सक्सेस रेट 76.92 प्रतिशत रहा, जो रोहित शर्मा, विराट कोहली और एमएस धोनी से भी ज्यादा है। सूर्या का रिकॉर्ड रोहित से भी अच्छा इसलिए रहा क्योंकि जिन कप्तानों ने कम से कम 50 मैचों में भारत की टी20 कप्तानी की है, उनमें सबसे कम हार का प्रतिशत सूर्या का है।

खिलाड़ी	अवधि	मैच	जीते	हारे	टाई	बेनतीजा	जीत %	हार %
वीरेंद्र सहवाग	2006-2006	1	1	0	0	0	100.00	0.00
महेंद्र सिंह धोनी	2007-2016	72	41	28	1	2	56.94	38.88
सुरेश रैना	2010-2011	3	3	0	0	0	100.00	0.00
अजिंक्य रहाणे	2015-2015	2	1	1	0	0	50.00	50.00
विराट कोहली	2017-2021	50	30	16	2	2	60.00	32.00
रोहित शर्मा	2017-2024	62	49	12	1	0	79.03	19.35
शिखर धवन	2021-2021	3	1	2	0	0	33.33	66.66
ऋषभ पंत	2022-2022	5	2	2	0	1	40.00	40.00
हार्दिक पंड्या	2022-2023	16	10	5	1	0	62.50	31.25
केएल राहुल	2022-2022	1	1	0	0	0	100.00	0.00
जसप्रीत बुमराह	2023-2023	2	2	0	0	0	100.00	0.00
ऋतुराज गायकवाड़	2023-2023	3	2	0	0	1	66.66	0.00
सूर्यकुमार यादव	2023-2026	52	40	8	2	2	76.92	15.38
शुभमन गिल	2024-2024	5	4	1	0	0	80.00	20.00

सूर्यकुमार का 2021 से 2026 तक हर साल T20 में प्रदर्शन

वर्ष	मैच	पारी	नाबाद	रन	सर्वोच्च स्कोर	औसत	गेंदें	स्ट्राइक रेट	शतक	अर्धशतक	शून्य	चौके	छक्के
2021	11	9	2	244	62	34.85	157	155.41	0	3	1	25	12
2022	31	31	6	1164	117	46.56	621	187.43	2	9	2	106	68
2023	18	17	2	733	112*	48.86	470	155.95	2	5	0	61	43
2024	18	17	1	429	75	26.81	283	151.59	0	4	0	41	22
2025	21	19	3	218	47*	13.62	177	123.16	0	0	3	18	10
2026	14	14	3	484	84*	44.00	300	161.33	0	4	1	46	24

हैमस्ट्रिंग इंजरी की वजह से कोहली बाहर

अफगानिस्तान के खिलाफ नहीं खेलेंगे 3 मैचों की वनडे सीरीज

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार बैटर विराट कोहली हैमस्ट्रिंग इंजरी की वजह से वनडे टीम से बाहर हो गए हैं। यानी अब वो अफगानिस्तान के खिलाफ 3 मैचों की वनडे सीरीज में हिस्सा नहीं ले पाएंगे।

भारत को अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र मैच की टेस्ट सीरीज में हिस्सा लेना है जिसकी शुरुआत 6 जून से होगी और इसके बाद दोनों देशों के बीच 3 मैचों की वनडे सीरीज का आयोजन किया जाएगा। इस वनडे सीरीज की शुरुआत 13 जून से होगी और सीरीज का आखिरी मुकाबला 20 जून को खेला जाएगा जबकि दूसरा मैच 17 जून को होगा।

अफगानिस्तान के खिलाफ भारत की वनडे टीम

शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, श्रेयस अय्यर (उपकप्तान), केएल राहुल, इशान किशन, हार्दिक पंड्या, नितीश कुमार रेड्डी, वॉशिंगटन सुंदर, अर्शदीप सिंह, प्रिंस यादव, प्रसिद्ध कृष्णा, गुरनूर बराड़ और हर्ष दुबे।

राहुल-हेड ओपनर

गिल समेत 4 भारतीय शामिल

संजय बांगड़ ने चुनी टेस्ट के लिए वर्ल्ड प्लेइंग 11

नई दिल्ली। आईपीएल का रोमांच अब खत्म हो चुका है। 6 जून से भारतीय टीम अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट मैच खेलने उतरेगी। अब दुनिया में टेस्ट क्रिकेट का रोमांच शुरू होने वाला है। उससे पहले भारत के पूर्व खिलाड़ी संजय बांगड़ ने टेस्ट के लिए वर्ल्ड 11 का चुनाव किया है। उन्होंने अपनी टीम में भारतीय टेस्ट टीम के कप्तान शुभमन गिल समेत चार भारत के खिलाड़ियों को चुना है।

भारत-ऑस्ट्रेलिया के सबसे ज्यादा खिलाड़ी- भारत और ऑस्ट्रेलिया के सबसे ज्यादा 4-4 खिलाड़ियों को संजय बांगड़ ने अपनी वर्ल्ड टेस्ट 11 में जगह दी है। केएल राहुल, शुभमन गिल, ऋषभ पंत और जसप्रीत बुमराह के रूप में चार भारतीय इस टीम का हिस्सा बने हैं। जबकि कंगारू टीम के चार खिलाड़ी, ट्रेविस हेड, स्टीव स्मिथ, पैट कमिंस (कप्तान) और मिचेल स्टार्क इस टीम में शामिल हैं। इंग्लैंड के दो खिलाड़ी बेन स्टोक्स और जो रूट भी इस टीम का हिस्सा हैं।

टेस्ट के लिए बांगड़ की वर्ल्ड प्लेइंग 11

केएल राहुल, ट्रेविस हेड, जो रूट, शुभमन गिल, स्टीव स्मिथ, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), बेन स्टोक्स, मिचेल स्टार्क, पैट कमिंस (कप्तान), जसप्रीत बुमराह, केशव महाराज।

वैभव होंगे एक्शन में, तिलक की कप्तानी में जीतने उतरेगी इंडिया 'ए'

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2026 में अपनी बल्लेबाजी से तूफान मचाने वाले वैभव सूर्यवंशी अब 9 जून से फिर से एक्शन में नजर आने वाले हैं। वैभव का जादू भारतीय क्रिकेट फैंस के सिर पर इस कदर चढ़कर बोल रहा है वो उनके किसी भी मैच को मिस नहीं करना चाहते। वैभव देश में खेलें या फिर विदेश में हर कोई उनकी बल्लेबाजी को किसी भी कीमत पर देखना चाहता है। वैभव के इस क्रेज को देखते हुए अब इंडिया ए के श्रीलंका दौरे पर होने वाले मैच का लाइव प्रसारण किया जाएगा।

सोनी स्पोर्ट्स पर किया जाएगा ट्राई सीरीज के मैचों का प्रसारण- वैभव सूर्यवंशी का क्रेज अब इंटरनेशनल लेवल पर भी फैल रहा है और ऐसा लग रहा है कि इसकी वजह से ब्रॉडकास्टर अपनी स्ट्रैटेजी पर दोबारा सोचने पर मजबूर हो रहे हैं। इंडिया ए टीम में उनके शामिल होने से लोगों में काफी दिलचस्पी जागी है और इसी को देखते हुए अधिकारियों ने फैसला किया है कि श्रीलंका में होने वाली अगली ट्राई-सीरीज का टीवी पर सीधा प्रसारण किया जाएगा।

हेल्थ प्लस

खाने का लुत्फ लें

आमतौर पर हमें ऐसा भोजन खाना पसंद होता है, जो स्वादिष्ट हो और जिसे आसानी से चबाया जा सके। जो भोजन चबाने में आसान होता है, वह ज्यादा मात्रा में खाया जाता है। जिस कारण ओवर ईटिंग हो जाती है और मोटापा बढ़ने की संभावना बढ़ जाती है। यदि भोजन का पूरा लुत्फ लें, तो भोजन सरलता से पच जाता है और शरीर को उसके लिए जरूरी पोषक तत्व भी मिल जाते हैं।

- उन पदार्थों का सेवन करना चाहिए, जो हमें चबाने के लिए मजबूर करें। जैसे ब्रैड या चावल की बजाय गेहूं की रोटी।
- सब्जियों को ज्यादा न पकाएं। इससे उसके पोषक तत्व नष्ट हो जाते हैं।
- भोजन की हरेक बाइट में लुत्फ उठाना चाहिए और अच्छी तरह चबाकर खाना चाहिए।
- खाने को ज्यादा देर तक चबाने से आंतो को खाना पचाने में आसानी होती है।
- रिफाइंड फूड्स व ऑयल्स पचाने में मुश्किल होते हैं और डायजैस्टिव सिस्टम पर दबाव डालते हैं।
- रिफाइंड फूड्स एक्सक्रेटरी सिस्टम में ब्लॉकिज करते हैं, जिससे कब्ज हो जाती है।
- रिफाइंड फूड्स को पचाने में 48 घंटे लग जाते हैं, जबकि गेहूं के आटे से बनी चपाती सिर्फ 3-4 घंटे में पच जाती है।
- ज्यादा खाने से भोजन पूरी तरह पचता नहीं, जिससे पाचन क्रिया का समय बढ़ जाता है। शरीर में टॉक्सिक वेस्ट बनना शुरू हो जाता है, जिससे कई बीमारियां हो सकती हैं।
- भोजन भूख के मुताबिक खाना चाहिए, नाकि जीभ के स्वाद के अनुसार।

विटामिन ई

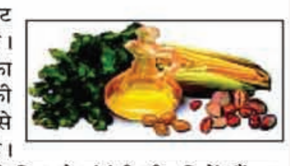

विटामिन ई फैट सॉल्यूबल विटामिन है। यह एंटी ऑक्सीडेंट का काम करता है और फ्री रैडिकल्स के प्रभावों से सैल्स की रक्षा करता है। इसके नियमित सेवन से दिल से संबंधी बीमारियों, कैंसर, मोतियाबिंद आदि होने की आशंका कम होती है और याददाश्त मजबूत होती है। यह इम्यून फंक्शन, डीएनए की मुरम्मत और अन्य मैटाबॉलिक प्रक्रियाओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह स्किन डिसीज से बचाव में मददगार है। खून का थक्का न जमने के लिए यह अनिवार्य रूप से जरूरी है।

वैजिटेबल ऑयल्स जैसे सूरजमुखी का तेल, मक्का, सोयाबीन तथा जैतून का तेल विटामिन ई के सबसे समृद्ध स्रोत हैं। इसके अलावा मूंगफली, सूरजमुखी के बीज, गेंहू, मछली, अंडे की जर्दी, दूध, नट्स, हरी पत्तेदार सब्जियां, दालें, साबुत अनाज, फोर्टिफाइड सीरियल्स के सेवन से विटामिन ई की उचित मात्रा मिल सकती है।

दिल की सेहत के लिए...

- साबुत अनाज, सब्जियां, बींस, फल, दही, मछली ज्यादा मात्रा में खाएं।
- दूध, चीज और नट्स का सेवन कम करें।
- लहसुन को नियमित तौर पर डाइट में शामिल करें।
- बीटा कैरोटीन से भरपूर खाद्य पदार्थ जैसे गाजर, पत्तागोभी, शक्करकंदी, हरी पत्तेदार सब्जियों का नियमित सेवन करें।
- भोजन में नमक का इस्तेमाल कम करें। एक दिन में छह ग्राम यानी एक चम्मच से ज्यादा नमक न खाएं।
- कोई भी मील स्किप न करें। दिन में तीन मेन मील्स के अलावा दो बार स्नैक्स लें।
- दिनभर में 8-10 गिलास पानी जरूर पिएं।
- चाय-कॉफी का सेवन कम से कम करें।
- रोजाना कम से कम तीस मिनट रैगुलर एक्सरसाइज करें।
- रोजमर्रा के काम खुद करने की आदत डालें। सीढ़िया चढ़ना-उतरना एक बेहतरीन एक्सरसाइज है।
- हैल्दी वेट मेनटेन करें। वजन कम या ज्यादा होना दिल के लिए नुकसानदेय होता है।
- दिल की सेहत के लिए स्मोकिंग और एल्कोहल से दूरी बनाए रखें।
- सात से आठ घंटे की तनाव रहित नींद बहुत जरूरी है।
- ब्लड प्रैशर, कोलेस्ट्रॉल और डायबिटीज पर नजर रखें। अगर ये ज्यादा हों, तो डॉक्टर की सलाह से मैडिसिन और परहेज से इन पर कंट्रोल करें।
- अपनी दिनचर्या को नियमित रखें। इससे तनाव नहीं होता।
- डीप ब्रीदिंग, योगा और मैडिटेशन की मदद से स्ट्रैस पर कंट्रोल रखें।
- खुशनुमा माहौल में रहें। किसी से नफरत न करें, सबके साथ प्यार से रहें। इससे दिल को ताकत मिलती है।
- रैगुलर मैडिकल चैकअप्स बहुत जरूरी हैं, ताकि समय पर बीमारी का पता चल सके और उसका ट्रीटमेंट आसानी से हो जाए।
- यदि परिवार में किसी को हार्ट संबंधी कोई रोग हो, तो एहतियात जरूरी है।
- उपवास और पार्टी दोनों ही दिल के दोस्त नहीं हैं।

सेहत में बरकत

किसी भी रोग को जड़ से खत्म करने का सबसे बढ़िया उपाय है- पंचकर्म। केरलीय पंचकर्म दोषों के स्थान पर सीधा रोगों को शांत करने में अधिक प्रभावी है...

शरीर में जब दोष एक निश्चित मात्रा से अधिक बढ़ जाते हैं, तो उन्हें शरीर के अंदर ही शांत करना मुश्किल हो जाता है। ऐसे में उन्हें शरीर से बाहर निकाल देना ही पंचकर्म चिकित्सा है। 'पंचकर्म चिकित्सा' शब्द का पहली बार प्रयोग 4000 साल पहले रचित आयुर्वेद के प्रसिद्ध ग्रंथ चरक संहिता में किया गया है। इसी सिद्धांत पर आयुर्वेद के ग्रंथों में वमन, विरेचन, अनुवासन बस्ति, आस्थापन बस्ति व शिरोविरेचन जैसे पांच उपक्रमों का वर्णन पंचकर्म चिकित्सा के रूप में किया गया है।

क्या है केरलीय पंचकर्म ?

शास्त्रोक्त पंचकर्मों के पूर्वकर्म (स्नेहन/स्वेदन) व अन्य कर्मों में कुछ बदलाव लाकर कुछ खास रोगों में दोषों को बाहर न निकाल कर शरीर के अंदर ही ठीक करने के लिए केरल के कुछ घरानों में इस तरह के कर्मों का एक परम्परा के रूप में विकास हुआ। ये पंचकर्म व्यवहारिक रूप से अधिक उपयोगी होने के कारण लोगों में बहुत लोकप्रिय हुए। हालांकि इनकी व्यापकता का क्षेत्र शास्त्रोक्त पंचकर्म की तुलना में कम है। केरलीय पंचकर्म दोषों को शरीर से बाहर निकालने की अपेक्षा उनका शरीर में ही शमन करते हैं। यह चिकित्सा शरीर की धातुओं में वृद्धि अर्थात् बृंहण का कार्य करती है। केरल में विकसित व अधिक प्रचलित होने के कारण धारा कल्प, पिंड स्वेद (नवराकिजि), काय सेक (पिड़िचिल), अन्नलेप और शिरोलेप को केरलीय पंचकर्म के अंतर्गत ग्रहण किया जाता है। केरलीय पंचकर्म केवल पांच कर्मों तक ही सीमित नहीं है, अपितु इसके अतिरिक्त और भी कर्म है, जिनका समावेश इन्हीं पांच के अंतर्गत किया जाता है।

धारा कल्प

धारा कल्प का प्रसिद्ध नाम शिरोधारा है। इसे शिर: सेक भी कहा जाता है। इसमें रोगी को लगभग 6 फुट लंबी व 2 फुट चौड़ी मेज पर लिटाया जाता है। उसके ऊपर दो से तीन लीटर तक की क्षमता वाला धारा पात्र इस ढंग से लगाया जाता है कि धारा पात्र के पेंदे के छेद में से औषधि सीधा रोगी के माथे पर धार के रूप में गिरती है।

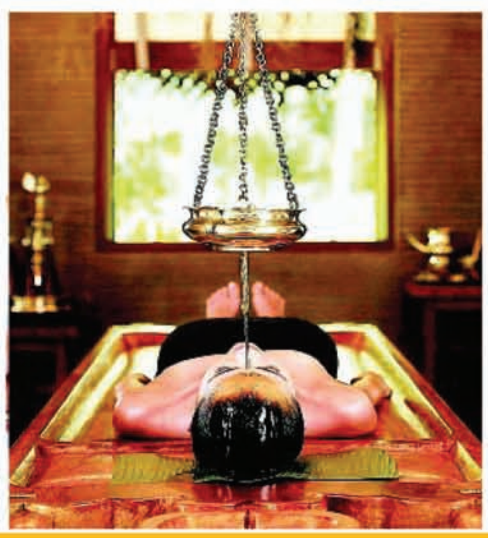

रोग के अनुसार ही पात्र में औषधि डाली जाती है। यह क्वाथ, दूध, तेल, घी, छाछ आदि के रूप में हो सकती है। मानसिक रोग, नींद का न आना, बेचैनी रहना, अवसाद, सिर के रोग, वातज विकारों में शिरोधारा श्रेष्ठ फल देती है। कान व आंखों के रोग, बालों का सफेद होना, थकावट होना, भूख न लगना और मूत्र रोग में छाछ में आंवले का चूर्ण पकाकर उसकी धारा के प्रयोग से लाभ होता है। सिर के साथ-साथ पूरे शरीर में धारा कल्प से शरीर मजबूत बनता है। शुक्र व वर्ण की वृद्धि होती है। इंद्रिया अपना काम ठीक तरह से करती हैं।

पिंड स्वेद

नवराकिजि या पिंड स्वेद केरलीय पंचकर्म का एक अत्यंत महत्वपूर्ण कर्म है। पूरा शरीर सूख रहा हो, मांस कम हो जाए, शरीर में संकोच या जकड़न हो, लकवा हो या अन्य वातज रोगों में पिंड स्वेद का प्रयोग लाभ पहुंचाता है। अपनी गुणवत्ता व व्यवहारिक होने के कारण इसका लोगों में काफी प्रसार हुआ।

औषधि पत्रों का पिंड यानी गोला बनाकर, गर्म तेल में डुबोकर बार-बार स्वेदन यानी सेक करना, उड़द की दाल, काले चने, कुलत्थ की दाल को पीसकर उसका गोला बनाकर या विभिन्न पशुओं के मांस को विधिपूर्वक सिद्ध करके उसका गोला बनाकर पोटली में बांधकर रोगी को बिठाकर, लिटाकर, ऊपर, नीचे, दाएं, बाएं सभी स्थानों पर एक से डेढ़ घंटे तक सेक किया जाता है। यह प्रक्रिया रोग के अनुसार आमतौर पर 7-14 दिन तक करवाई जाती है।

काय सेक

स्नेहन और स्वेदन एक साथ करने की विधि को काय सेक अथवा पिड़िचिल के नाम से जाना जाता है। मुंह का लकवा, शरीर का सूखना, पूरे शरीर का लकवा, सियाटिका व जोड़ों का दर्द, वात व्याधि, जीभ की जकड़न में इसका प्रयोग किया जाता है।

काय सेक में एक खास तरह की नौका में रोगी को लिटाकर गर्म तेल में भीगे कपड़े को उसके पूरे शरीर पर निचोड़ा जाता है और साथ-साथ मालिश भी की जाती है। एक से चार सप्ताह तक रोजाना एक से डेढ़ घंटा तक काय सेक करवाया जाता है। इसमें तेल के अलावा घी, कांजी, दूध व औषधियों के क्वाथ का प्रयोग भी किया जा सकता है। अगर शरीर में शोथ हो, बुखार हो, त्वचा में विकार हो व आमवात हो, तो इसका प्रयोग नहीं किया जाता।

अन्नलेप

चावलों को पीसकर बिना पोटली के पूरे शरीर में लेप करना अन्न लेपन कहलाता है। रोगी के पूरे शरीर पर मालिश करके, उसे नौका में लिटाकर, हल्के गर्म चावलों का लेप पूरे शरीर में किया जाता है। अगर लकवा हो, जोड़ों में दर्द हो, यूरिक एसिड बढ़ा हो, शरीर सूख रहा हो, आमवात हो, तो इसका प्रयोग श्रेष्ठ फलदायी है। लेप लगाने के एक से डेढ़ घंटे बाद रोगी को गर्म पानी से स्नान कराया जाता है।

शिरोलेप

सिर पर बाल न रहना, बाल सफेद होना, नींद न आना, मुंह का लकवा, शिरोरोग और आंखों के रोगों में शिरोलेप का प्रयोग किया जाता है। आंवले के चूर्ण को मिट्टी के पात्र में जल के साथ मिलाकर पेस्ट बनाया जाता है। रात भर इसे ऐसे ही रखने के बाद सुबह उस पेस्ट को छाछ में मिलाकर गर्म किया जाता है। बाद में इस लेप को ठंडा कर सिर पर बाल कटवाने के पश्चात लगाया जाता है। लेप लगाने के बाद ऊपर से केले के पत्ते से सिर ढंक दिया जाता है। एक से डेढ़ घंटे बाद इस लेप को उतार कर दोबारा सिर पर तेल की मालिश की जाती है। यह प्रक्रिया आमतौर पर 7-14 दिन तक करवाई जाती है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)
अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। किसी नजदीकी शुभचिंतक सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। शुभांक-5-6-7

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। व्यापार में वृद्धि व उत्तम लाभ मिलेगा। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। आत्मचिंतन कर। पुराने मित्र से मिलन होगा। पुरुषार्थ का सहारा लें। यात्रा का योग बनेगा। विद्यार्थियों को लाभ। शुभांक-5-7-8

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा)
शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान रहें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। स्वविवेक से कार्य कर। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। शुभांक-4-6-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। कामकाज की अधिकता रहेगी। शुभांक-4-6-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। सभा-गोष्ठियों में सम्मान मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच आनन्ददायक दिन रहेगा। आमोद-प्रमोद का दिन होगा। व्यावसायिक प्रगति भी होगी। शुभांक-6-7-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। उन्नति के योग हैं। शुभांक-4-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेंगे व अभिलाषाएं पूर्ण होंगी। कार्य साधक दिन है व्यर्थ न गंवाऐ। विश्वस्त लोगों के कहे अनुसार चलें। राजकीय कार्यों में सतर्कता बरतें। जोश से कम व होश में रहकर कार्य करें। नये आगंतुकों से लाभ होगा। जो चल रहा हैं उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-7-8-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)
जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सवेरे ही निपटा लें। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। शुभांक-4-6-8

धनु (ये यो भा भी भू)
कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया कमजोर बना रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। कुछ आर्थिक

संरक्षक: संजय शुक्ला,(सत्यम शिवम शुभम पीजी व लां कॉलेज टिकरी)
सलाहकार संपादक: रिजवान सैफ खान
सह सपांदक: मोहम्मद दानिश फारुकी ,
सह संपादक: राम सिंह यादव उपसंपादक राकेश द्विवेदी
उक्त सभी पद अवैतनिक है

काकुरो पहेली - 3908

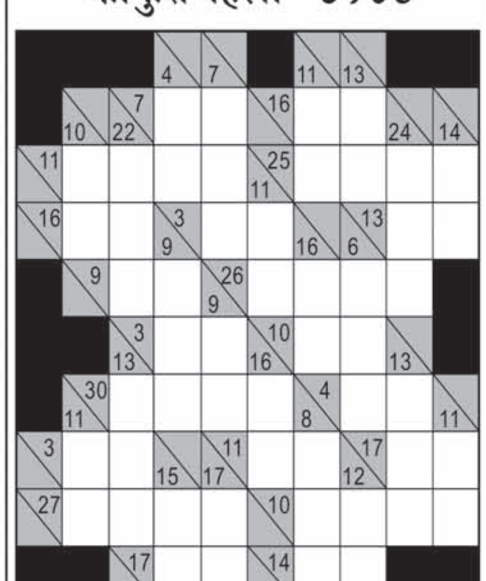

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

24 \ 15 | 1 2 3 4 5 ; 7 8 9

1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

काकुरो - 3907 का हल

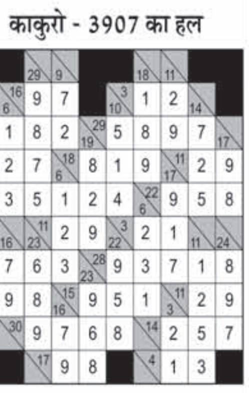

हंसी के फूव्वारें

एक बार एक सेठ बीमार पड़ गया. उसकी हालत मरने की-सी हो गई. पूरा परिवार उसके चारों ओर एकत्र था. सेठ ने अपनी पत्नी को बुलाकर पूछा-'बड़ा लड़का कहां है ?'
'यहीं है !'
'मंझला ?'
'यहीं है.'
'और छोटा ?'
'यहीं है.'
'तो फिर क्या दुकान बन्द पड़ी है ?' सेठ ने चारपाई से उठते हुए पूछा.

□ □ □

एक जहाज का कप्तान डेक से फिसल कर समुद्र में गिर गया. एक नाविक ने अपनी जान हथेली पर रखकर उसे बचा लिया.
'मैं तुम्हें क्या इनाम दूं !'कप्तान ने पूछा.
'श्रीमान !' नाविक हाथ जोड़ते हुए बोला-'सबसे अच्छा इनाम तो यह होगा कि आप इस घटना का जिक्र किसी से न करें. वरना बाकी नाविक मुझे उठाकर समुद्र में फेंक देंगे.'

□ □ □

जज, कैदी से- 'तुम्हें कल फांसी दी जाएगी, तुम्हारी कोई आखिरी इच्छा है?'
कैदी-'जी हाँ.'
जज-'क्या?'
कैदी-'जी मेरी जगह आप फांसी पर लटक जाइये!'

फिल्म वर्ग पहेली- 3908

बायें से दायें:-

१. डिनो मारिया, बिपाशा बसु की 'जब दिल चुराए' गीत वाली फिल्म-३
३. 'ऐ हवा ये बता' गीत वाली धर्मेन्द्र, रेखा की फिल्म-३
५. सलमान, नगमा की 'चांदनी रात है' गीत वाली फिल्म-२
७. 'टुट गई तड़क करके' गीत वाली नाना पाटेकर, माधुरी की फिल्म-३
८. अनिल धवन, रेहाना सुल्तान की 'दिल बेचैन रहा' गीत वाली फिल्म-२,२
९. 'चाँदनी रूप की' गीत वाली संजयदत्त, सलमान खान, रवीना की फिल्म-२
१०. डैनी, विनोद मेहरा, मौसमी की 'संसार है एक' गीत वाली फिल्म-३
११. 'गाड़ी बुला रही है' गीत वाली धर्मेन्द्र हेमा की फिल्म-२
१३. जीतेन्द्र, रामेश्वरी की 'काहे बिंदिया लगाई' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'वो लड़की बहुत' गीत वाली अजय देवगन, नेहा धूपिया की फिल्म-४
२०. बॉबी, अक्षय खन्ना, अमीषा की 'दिल ने कर लिया' गीत वाली फिल्म-४
२१. 'मुझे साजन के' गीत वाली अनिल, जैकी, मनीषा, माधुरी की फिल्म-२
२२. सनी, सुनील, सेलिना की 'प्यार होने लगा' गीत वाली फिल्म-२
२५. 'क्या है तुम्हारा नाम' गीत वाली जैकी श्रॉफ, डिम्पल की फिल्म-२
२७. फरदीन खान, उर्मिला की 'दो प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-३
२८. 'लाल लाल होठों पे' गीत वाली अजय देवगन, जूही की फिल्म-४
२९. फिल्म 'एलओसी' में अजय देवगन के साथ किस की जोड़ी है-२
३०. 'सोल्जर' में प्रीति का नायक ?-२
३१. 'मेरे दिल का पता' गीत वाली राहुल राय, दीपक, पूजा की फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'दुनिया हसीनों का' गीत वाली बॉबी देओल, मनीषा, काजोल की फिल्म-२
२. अनिल धवन, नीतूसिंह की 'अपने दिल में जगह' गीत वाली फिल्म-३
३. 'मैं निकला' गीत वाली सनी देओल, अमीषा पटेल की फिल्म-३
४. करण दीवान, वैजयंती की 'दुनिया का मजा लेलो' गीत वाली फिल्म-३
५. 'किताबें बहुत सी' गीत वाली शाहरूख, काजोल, शिल्पा शेट्टी की फिल्म-४
६. राजेंद्रकुमार, माला सिन्हा की 'बांसुरी बजाय के' गीत वाली फिल्म-२
९. 'मिलने से पहले' गीत वाली शरद कपूर, मुकुल आनंद, सुष्मिता की फिल्म-३
१२. विवेक ओबेराय, दीया मिर्जा की 'दिल ही दिल में' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'एक तो ये बैरी' गीत वाली दिलीपकुमार, शर्मिला की फिल्म-३
१६. रितिक, करीना की 'ए री रे एरी क्या है' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'आपका चेहरा' गीत वाली धर्मेन्द्र, नसीर, सोनू, पल्लवी की फिल्म-४
१८. गोविंदा, ऋषिकपूर, नीलम, मीनाक्षी की 'तेरे डैडी ने दिया' गीत वाली फिल्म-३
१९. शाहरूख, सैफ, प्रीती जिंटा की 'कुछ तो हुआ है' गीत वाली फिल्म-२,१,१,१
२३. अमिताभ, सलमान, हेमा की 'चली चली फिर चली' गीत वाली फिल्म-४
२४. 'रूखी सूखी रोटी' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'इंतहा हो गई' गीत वाली फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली- 3907

सूडोकु -3908

			4				3	
		6		2		4		
		8			5			
	3						7	
7				4				9
	9						5	
			2			1		
		1		7		6		
	5				3			

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3907 का हल

7	8	5	4	2	9	6	3	1
3	6	4	1	5	7	8	9	2
9	2	1	6	3	8	7	4	5
6	5	3	2	8	4	9	1	7
1	7	2	3	9	6	4	5	8
4	9	8	7	1	5	2	6	3
2	4	7	5	6	1	3	8	9
5	3	9	8	4	2	1	7	6
8	1	6	9	7	3	5	2	4

शब्द पहेली - 3908

बाएँ से दाएँ

1.पावर हाऊस -5
4.दिमागी,कल्पित-4
7.हृदय-2
8.खोदना-3
9.प्रचार वाक्य,स्लोगन-2
10.नुकीला-4
11.कलिका-2
13.प्यारा,लाडला-3
14.विशिष्ट,विशेष-2
15.खर्च,उपभोग-3
17.नौका-2
19.नाम करण-2,3
22.चमकीला-5
25.महोदय (अंग्रेजी-2)
26.रनिवास,जनवासा-3
28.संध्या,सांझ-2
29.दलना,महीन करना-3
30.जस,सम्मान -2
32.कारागृह-4
34.आलाप,लय,सुर-2
36.पागल स्त्री-3
37.इंकार,मना-2
38.सराबोर,सना हुआ -4
39.वेश्या,तवायफ-5

ऊपर से नीचे

1.चूहे का घर-2
2.नेता-3
3.सार-संभार-2,3
4.आदर्श,कसौटी-3
5.छाती-2
6.अचरज भरा कार्य-4
7.हृदय को ठेस लगना-5
10.अनवरत वर्षा-4
12.जूं का अंडा-2
16.ओट,घूंघट-3
17.मां के पिता-2
18.दुख,कष्ट-2
20.राष्ट्रीय पक्षी-3
21.पत्र,लैटर-2
22.गुप्तचर,दूत-2
23.कपड़ों के टुकड़े (अंग्रेजी-4)
24.रवानगी, प्रस्थान करना-3,2
25.समयुगीन,समवर्ती-5
26.बंद,स्ट्राइक-4
27.सुरा,शराब-2
31.वचन,प्रतिज्ञा-3
33.बंदर-3
35.नथनी,नथिया-2
37.शहद-2

शब्द पहेली -3907 का हल

सबसे तेज प्रयागराज, मुद्रक, प्रकाशक, स्वामी संपादक हनुमान प्रसाद शुक्ल द्वारा विपिन इंटरप्राइजेस 1/6सी/1 मास्टर जरूहुल हसन रोड़, कटरा, प्रयागराज से मुद्रित कराकर, करीमुददीनपुर पोस्ट अटरामपुर नवाबगंज प्रयागराज से प्रकाशित। मो नं. 9452842169। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आ.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद का निपटारा इलाहाबाद न्यायालय में होगा। आपत्तियां एक सप्ताह के अंदर ही स्वीकार की जाएगी। समाचार पत्र की जिम्मेदारी लेखक व संवाददाता की होगी